नई दिल्ली ■ शुक्रवार 02 जनवरी 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 275 ■ पृष्ठ 08

JBT

www.thejbt.com

जनभावना टाइम्स

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 सर्वनाश की ओर ले जाता तूफान | 07 रॉबर्टो कार्लोस ने दिल की सर्जरी के बाद कहा, मैं अब ठीक हूं | करीना कपूर खान ने 2025 को बताया परिवार के लिए... 08

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के 68वें स्थापना दिवस पर बोले रक्षा मंत्री

DRDO जल्द बनायेगा स्वदेशी 'सुदर्शन चक्र'

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि डीआरडीओ अगले दशक में देश की हवाई सुरक्षा मजबूत करने के लिए हमारे जरूरी ठिकानों को एयर डिफेंस सिस्टम से लैस करने के लिए तैयार है। हमने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हवाई युद्ध में एयर डिफेंस की अहमियत देखी। मुझे भरोसा है कि डीआरडीओ जल्द ही इस लक्ष्य को पाने के लिए पूरे दिल से काम करेगा।

उन्होंने भरोसा जताया कि डीआरडीओ जल्द ही रूस के एयर डिफेंस सिस्टम एस-400 की तर्ज पर स्वदेशी 'सुदर्शन चक्र' बना लेगा। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के 68वें स्थापना दिवस के मौके पर नई दिल्ली में डीआरडीओ मुख्यालय का दौरा करने के दौरान रक्षा मंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों और वैज्ञानिकों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि डीआरडीओ की हथियार प्रणालियों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अहम भूमिका निभाई, जो राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए संगठन की व्यावसायिकता और प्रतिबद्धता का सबूत है। सशस्त्र बलों को आधुनिक हथियारों से लैस करके भारत की स्वदेशी क्षमताओं को मजबूत करने के लिए डीआरडीओ की तारीफ करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन के दौरान हथियारों ने बिना किसी रुकावट के काम किया, जिससे सैनिकों का हौसला बढ़ा।

रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से अपने भाषण में स्वदेशी सुदर्शन चक्र बनाने की घोषणा की थी, जिसमें डीआरडीओ अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि इस पहल के तहत डीआरडीओ अगले दशक में हवाई सुरक्षा पक्का करने के लिए हमारे जरूरी ठिकानों को एयर डिफेंस सिस्टम से लैस करने के लिए तैयार है।

हमने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के साथ हवाई संघर्ष के दौरान एयर डिफेंस की अहमियत देखी। मुझे भरोसा है कि डीआरडीओ जल्द ही इस लक्ष्य को पाने के लिए पूरे दिल से काम करेगा। राजनाथ सिंह ने प्राइवेट सेक्टर के साथ डीआरडीओ के सहयोग को मानते हुए कहा कि रक्षा उद्योग और स्टार्टअप्स के साथ बढ़ते जुड़ाव से एक तालमेल वाला रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र बना है।

उन्होंने कहा कि डीआरडीओ ने लगातार अपने काम करने के तरीकों में सुधार किया है। खरीद से लेकर परियोजना प्रबंधन तक, उद्योग जुड़ाव से लेकर स्टार्ट अप और लघु उद्योगों के साथ मिलकर काम करने तक, काम को आसान, तेज और ज्यादा भरोसेमंद बनाने की कोशिश दिख रही है। रक्षा मंत्री ने डीआरडीओ से कहा कि वह तेजी से बदलते तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र के साथ तालमेल बिठाते हुए आगे बढ़ता रहे और बदलते समय के हिसाब से उत्पाद लाता रहे।

उन्होंने डीप टेक और नेक्स्ट-जेनरेशन टेक्नोलॉजी की दिशा में डीआरडीओ की कोशिशों की तारीफ करते हुए कहा कि इस कोशिश में तरक्की से न सिर्फ़ देश की काबिलियत बढ़ेगी, बल्कि डिफेंस इकोसिस्टम भी मजबूत होगा। राजनाथ सिंह ने कहा कि आज का जमाना सिर्फ साइंस का नहीं है, बल्कि लगातार डेवलपमेंट और लगातार सीखने का है। इस बदलती दुनिया में टेक्नोलॉजी स्कैनिंग, काबिलियत का अंदाजा और भविष्य की तैयारी अब सिर्फ शब्द नहीं रह गए हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया हर दिन बदल रही है। टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और नए युद्ध के तरीके तेज़ी से आगे बढ़ रहे हैं, जिससे कल का ज्ञान बेकार हो रहा है। हमें कभी यह नहीं मान लेना चाहिए कि सीखने का प्रोसेस खत्म हो गया है। हमें सीखते रहना चाहिए और खुद को चैलेंज करते रहना चाहिए, ताकि नई पीढ़ी के लिए रास्ता बन सके।

इंदौर में दूषित पानी पीने से 14वीं मौत 162 लोग अब भी अस्पतालों में भर्ती

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने चार मृतकों के परिजनों को दिए 2-2लाख के चेक

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी पीने से बीमार होने वाले लोगों की संख्या के साथ ही मृतकों का आंकड़ा भी लगातार बढ़ता जा रहा है। गुरुवार को एक मरीज की मौत हो गई। इसके बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है।

अब तक ऐसे 2456 मरीजों की पहचान की जा चुकी है, जिनमें से 162 मरीज अस्पताल में भर्ती हैं। इनमें से 26 मरीज जिंदगी और मौत के बीच आईसीयू में संघर्ष कर रहे हैं। सुबह मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने चार मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये के चेक दिए। आज इंदौर में दूषित पानी से 14वीं मौत हुई। मृतक का नाम अरविंद (43) पुत्र हीरालाल निवासी कुलकर्णी भट्टा है। वह गत रविवार को भगीरथपुरा में काम करने के लिए पहुंचा था, तभी तबीयत खराब हो गई और वह घर लौट गया। इस पर घर पर रहकर ही दवाइयां ले रहा था। इसके बाद परिजन उसे लेकर एक प्राइवेट अस्पताल पहुंचे, जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। इससे बुधवार देर रात भागीरथपुरा क्षेत्र के 13 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें उर्मिला यादव (60), नंदलाल पाल (75), उमा कोरी (31), मंजूला (74), ताराबाई कोरी (70), गोमती रावत (50), सीमा प्रजापत (50) जीवन लाल बरेडे (80), अव्यान साहू (5 माह), संतोष बिगोलिया, अशोक लाल पंवार, सुमित्रा बाई और शंकर भाया (70) शामिल हैं। भागीरथपुरा क्षेत्र में अब भी नए मरीज सामने आ रहे हैं। शहर के 14 सरकारी और निजी अस्पतालों में इलाज किया जा रहा है। अभी दूषित पानी से प्रभावित 162 लोग अस्पतालों में भर्ती हैं। इधर, आज सुबह मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भागीरथपुरा इलाके में पहुंचे। परिजन ने मंत्री की मौजूदगी में नाराजगी जताते हुए कहा कि हमें आपका चेक नहीं चाहिए।

भागीरथपुरा से लगे अन्य क्षेत्रों में भी संक्रमण फैलने की सूचना पर स्वास्थ्य विभाग ने 21 टीमें बनाई हैं, जिसमें डाक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ, एएनएम और आशा कार्यकर्ता शामिल हैं। इसके अलावा, 11 एंबुलेंस भी तैनात की गई हैं। प्रशासन ने निजी चिकित्सालयों में स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सकों के साथ-साथ राजस्व अधिकारियों को समन्वय के लिए तैनात किया है। अब तक 7992 घरों का सर्वेक्षण किया गया है। इस मामले को लेकर अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने गुरुवार को प्रभावित क्षेत्र भागीरथपुरा का निरीक्षण किया। उन्होंने पानी की टंकी से सप्लाई पानी एवं क्षेत्र में नगर निगम की टीम ने चेक किया। टंकी एवं घरों से पानी के सैंपल लिए गए। जलप्रदाय के दौरान किए गए पानी सप्लाई को स्वयं हाथ में लेकर चेक किया और रहवासियों से चर्चा की।

दूषित पेयजल से 14 लोगों की मौत का मामला एनएचआरसी ने मुख्य सचिव से रिपोर्ट तलब की

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने मध्य प्रदेश के इंदौर जिले के भगिरथपुरा क्षेत्र में दूषित पेयजल से 14 लोगों की मौत और 162 से अधिक लोगों के बीमार होने की खबर का स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने इस मामले को गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन बताते हुए राज्य के मुख्य सचिव को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि प्रकाशित खबरों में बताया गया कि क्षेत्र में पानी की मुख्य पाइपलाइन एक सार्वजनिक शौचालय के नीचे से गुजरती है। पाइपलाइन में लीकेज के कारण सीवेज का पानी, पीने के पानी में मिल गया। इसके अलावा, इलाके में कई वितरण लाइनें भी टूटी हुई पाई गईं, जिससे दूषित पानी सीधे घरों तक पहुंच रहा था। स्थानीय निवासियों ने कई दिनों से दूषित पानी की शिकायतें की थीं लेकिन अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की। आयोग ने कहा कि यदि रिपोर्ट के तथ्य सही हैं तो यह पीड़ितों के मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है।

संक्षिप्त खबरें

एटीएफ की कीमत में 7.3 प्रतिशत की भारी कटौती, वाणिज्यिक एलपीजी 111 रुपये प्रति सिलेंडर महंगा

नई दिल्ली। नई दिल्ली विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमत में बृहस्पतिवार को 7.3 प्रतिशत की कटौती की गई जबकि वाणिज्यिक एलपीजी 111 रुपये प्रति सिलेंडर महंगा किया गया है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों ने वैश्विक ईंधन मानकों के अनुरूप अपने मासिक मूल्य संशोधन को लागू करते हुए दाम संशोधित किए हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के ईंधन खुदरा विक्रेताओं के अनुसार, दिल्ली में एटीएफ की कीमत 7,353.75 रुपये प्रति किलोलीटर यानी 7.3 प्रतिशत की कटौती के साथ 92,323.02 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई। वएक जनवरी से कुछ शहरों में सीएनजी और पीएनजी की कीमतें घटा दी गई हैं। इसमें दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के कुछ हिस्सों में पीएनजी की कीमतों में कमी और गैस वितरण कंपनियों द्वारा सीएनजी और घरेलू पीएनजी की कीमतों में एक-एक रुपये की कटौती शामिल है।

कारों के लिए नए फास्टैग पर KYV अनिवार्यता खत्म, 1 फरवरी से लागू होगा नियम

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने नए साल पर देशवासियों को बड़ी राहत देते हुए 1 फरवरी 2026 से कार, जीप और वैन जैसी छोटी गाड़ियों के लिए जारी होने वाले नए फास्टैग पर नो योर व्हीकल (केवाईवी) प्रक्रिया की अनिवार्यता खत्म कर दी है। सड़क एवं परिवहन मंत्रालय की तरफ से बताया गया है कि यह कदम हाईवे यूज़र्स को फास्टैग एक्टिवेशन के बाद होने वाली असुविधा और देरी से बचाने के लिए उठाया गया है। अब वैध वाहन दस्तावेज के बावजूद केवाईवी की अतिरिक्त प्रक्रिया से गुजरने की जरूरत नहीं होगी। एनएचएआई ने बताया कि पहले से जारी मौजूदा फास्टैग के लिए भी केवाईवी अब नियमित रूप से जरूरी नहीं होगा।

गांदरबल से दो आतंकी सहयोगी गिरफ्तार, 8.40 लाख रुपये, गोला-बारूद बरामद

गांदरबल। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने गुरुवार को मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले में देर शाम चलाए गए एक अभियान के दौरान दो आतंकी सहयोगियों को गिरफ्तार किया। इनके पास से 8.40 लाख रुपये, हथियार, गोला-बारूद और अन्य सामग्री बरामद की गई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि विशिष्ट खुफिया सूचनाओं के आधार पर गांदरबल पुलिस ने विशेष अभियान समूह (एसओजी) के समन्वय से गुंड्रेहमान पुल के पास नाकाबंदी की। इस दौरान पुलिस दल ने मालवाहक वाहन (जेके15बी-7309) को रोका। वाहन की गहन तलाशी के दौरान दो हथगोले, एक चीनी पिस्तौल, एक पिस्तौल की मैगज़ीन, चार पिस्तौल राउंड बरामद की गई। इसके अलावा 8,40,500 रुपये मिले। उन्होंने आगे बताया कि जिला बांदीपोरा के हाजिन निवासी गुलाम नबी मीर और जिला गांदरबल के शालाबुघ निवासी शबनम नजीर को गिरफ्तार किया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को नववर्ष की शुभकामनाएं देकर संस्कृत सुभाषित किया साझा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को देशवासियों को ग्रीगेरियन नववर्ष 2026 की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर दो अलग-अलग पोस्ट कर लोगों को नए साल का संदेश दिया और संस्कृत में सुभाषित भी साझा किया।

प्रधानमंत्री ने अपने एक्स पोस्ट में कहा कि साल 2026 सभी के लिए शानदार रहे। यह साल अच्छी सेहत, खुशहाली और हर कोशिश में सफलता लेकर आए। समाज में शांति और खुशी बनी रहे, यही प्रार्थना है। दूसरे पोस्ट में उन्होंने कहा कि नया साल लोगों के जीवन में नई उम्मीद, नया आत्मविश्वास और आगे बढ़ने की प्रेरणा लेकर आए। इसी संदेश के साथ उन्होंने संस्कृत का यह सुभाषित लिखाः

ज्ञानं विरक्तिरैश्वर्यं शौर्यं तेजो बलं स्मृतिः।
स्वातन्त्र्यं कौशलं कान्तिर्धैर्यं मार्दवमेव च ॥

प्रधानमंत्री के इस सुभाषित का अर्थ जीवन का असली लक्ष्य ऐसे गुणों से लैस होना है जैसे ज्ञान, बहादुरी, धैर्य, कौशल, ताकत, स्वतंत्र सोच और कोमल स्वभाव। उनका कहना है कि यही गुण इंसान को आगे बढ़ाते हैं और समाज को भी मजबूत बनाते हैं।

भारत-पाकिस्तान ने कैदियों, मछुआरों और परमाणु ठिकानों की सूची की साझा

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान ने राजनयिक माध्यमों से गुरुवार को साल 2008 में हुए कांसुलर एक्सेस समझौते के तहत एक-दूसरे की हिरासत में मौजूद नागरिक कैदियों और मछुआरों की सूचियों का आदान-प्रदान किया। यह जानकारी विदेश मंत्रालय ने दी।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारत ने अपनी हिरासत में बंद 391 नागरिक कैदियों और 33 मछुआरों की सूची पाकिस्तान के साथ साझा की है। यह नागरिक या तो पाकिस्तानी हैं या इन्हें पाकिस्तानी माना जाता है। साथ ही पाकिस्तान ने भी 58 नागरिक कैदियों और 199 मछुआरों की सूची भारत को सौंपी है। यह नागरिक या तो भारतीय हैं या इन्हें भारतीय माना जाता है। इसके साथ ही भारत और पाकिस्तान ने 31 दिसंबर 1988 को परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं के विरुद्ध हमले के निषेध पर सहमति वाले समझौते के तहत आज परमाणु ठिकानों की सूचियों का भी आदान-प्रदान किया। इसके तहत दोनों देश हर साल 1 जनवरी को एक-दूसरे को परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं की सूची साझा करते हैं। इस बार दोनों देशों के बीच सूचियों का यह लगातार 35वां आदान-प्रदान है।

पहली बार यह प्रक्रिया 1 जनवरी 1992 को शुरू हुई थी। केंद्र सरकार ने पाकिस्तान से अपनी हिरासत में मौजूद भारतीय नागरिक कैदियों, मछुआरों, उनकी नौकाओं और लापता भारतीय कर्मियों की जल्द रिहाई और प्रत्यावर्तन सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। भारत ने विशेष रूप से 167 भारतीय मछुआरों और नागरिक कैदियों की रिहाई में तेजी लाने का अनुरोध किया है, जिन्होंने अपनी सजा पूरी कर ली है। इसके अलावा, पाकिस्तान से 35 ऐसे नागरिक कैदियों और मछुआरों को तत्काल राजनयिक पहुंच देने को कहा गया है, जिन्हें भारतीय माना जाता है लेकिन अब तक राजनयिक पहुंच नहीं दी गई है। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार ने पाकिस्तान से यह भी कहा है कि सभी भारतीय और भारतीय माने जाने वाले कैदियों और मछुआरों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित किया जाए, जब तक उनकी रिहाई और प्रत्यावर्तन न हो। भारत सरकार के सतत प्रयासों से साल 2014 से अब तक पाकिस्तान से 2,661 भारतीय मछुआरों और 71 भारतीय नागरिक कैदियों को वापस लाया गया है। इनमें से 2023 से अब तक 500 भारतीय मछुआरे और 13 भारतीय नागरिक कैदी रिहा किए गए हैं।

साल के पहले दिन मंदिरों में उमड़ा आस्था का सैलाब काशी-मथुरा और अयोध्या में लगी रही लंबी लाइनें

लखनऊ)। उत्तर प्रदेश में नए साल यानी वर्ष 2026 की पहली सुबह की शुरुआत लोगों ने आस्था व श्रद्धा के साथ की। प्रदेश के अयोध्या, काशी और बांके बिहारी मंदिर समेत कई प्रमुख धार्मिक स्थानों में भोर से ही श्रद्धालुओं की जबरदस्त भीड़ उमड़ी है। पुरुष, महिलाएं और बच्चें हर कोई कोई फूल-प्रसाद चढ़ाकर अपनी मनोकामनाएं मांगता दिखा।

श्रद्धालु नए साल में अपने लिए सुख-शांति, सौहार्द और खुशहाली से भरा जीवन बनाने की प्रार्थना की। देश- दुनिया के लिए आस्था का सबसे बड़ा केंद्र बनी राम की नगरी अयोध्या में आज नए साल के पहले दिन भक्तों के सैलाब को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है। वैसे तो पिछले कई दिनों से यहां लाखों भक्त आ रहे हैं और वे नित्य राम लला के दर्शन कर रहे हैं। व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन भक्तों की भीड़ को नियंत्रित कर रहा है, ताकि किसी भी तरह की अनहोनी से बचा जा सके और श्रद्धालुओं को रामलला के दर्शनों में दिक़्क़त न हो। अयोध्या में उमड़ी भीड़ गवाही दे रही है कि नए साल की शुरुआत अपने आराध्य प्रभु श्री राम के दर्शन से करना चाहते हैं।

काशी विश्वनाथ मंदिर में भक्त कर रहें दर्शन नए साल के पहले दिन उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी काशी में में देश -विदेश से भारी संख्या में श्रद्धालु आए हुए हैं। यहां काशी विश्वनाथ मंदिर में बाबा के दर्शनों के लिए सुबह से ही भीड़ लगी हुई है। हालांकि स्थानीय प्रशासन को इस भीड़ का पहले से ही अनुमान होने के कारण सभी व्यवस्था बेहतर की गई हैं और यातायात भी परिवर्तित किया गया है। श्रद्धालुओं ने कहा कि नए साल के पहले दिन भगवान विश्वनाथ के दर्शन के लिए आए हुए हैं।

बांके बिहारी मंदिर में लगी श्रद्धालुओं की लंबी कतारें मथुरा जिले के वृंदावन में स्थित विश्व प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर में भी नए साल के अवसर पर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी है। गुरुवार को लाखों श्रद्धालु दर्शन और माथा टेकने मंदिर पहुंचे हैं। इससे मंदिर पहुंचने वाली गलियां भक्तों से पट गई हैं।

गोवर्धन पर्वत और श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर भी श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। हालात ऐसे हैं कि प्रशासन को व्यवस्था संभालने के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ रही है। यही स्थिति कई दिनों से बनी हुई है। यहां देर रात से ही भक्त भगवान के दर्शनों के लिए क़तार में खड़े हैं और दर्शन कर रहे हैं। इसके साथ ही मथुरा के अन्य धार्मिक स्थलों पर भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु नए साल के उत्साह से भरे हुए हैं और अपने कान्हा के विभिन्न रूपों का दर्शन करने के लिए लालायित हैं । इसी प्रकार आज नए साल के पहले दिन प्रदेश की राजधानी लखनऊ, प्रयागराज, नैमिषारण्य, कानपुर, विंध्यधाम मंदिर समेत तमाम धार्मिक स्थानों में दर्शन के लिए भारी भीड़ उमड़ी है। सभी श्रद्धालु नए साल में अपने अपने आराध्यदेव का दर्शन पूजन कर खुशहाली चाहते हैं। स्थानीय प्रशासन भी इन स्थलों में व्यवस्था बनाने में जुटा हुआ है।

दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण से राहत नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर के लोगों को वायु प्रदूषण से राहत मिलती नहीं दिख रही है। दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) आज 380 दर्ज किया गया, जो एक दिन पहले 373 था।

दिल्ली-एनसीआर में शुक्रवार को भी आंशिक बादल छाए रहने और सुबह के समय कहीं-कहीं पर हल्का तथा घना कोहरना छाए रहने के आसार हैं। एक्यूआर्ई वेबसाइट के अनुसार गुरुवार को दिल्ली का एक्यूआई 380 दर्ज किया गया है जबकि नोएडा का 367, ग्रेटर नोएडा 352 और गुरुग्राम का एक्यूआई 312 दर्ज किया गया है, जो 'बेहद गंभीर' श्रेणी को दर्शाते हैं।

वहीं, दिल्ली के कुछ शहरों का एक्यूआई जस का तस बना हुआ है। इनमें आनंद विहार, वजीरपुर, जहांगीर पुरी और नरेला सबसे अधिक प्रदूषित शहर हैं। आनंद विहार का एक्यूआई 423, वजीरपुर 425, जहांगीरपुरी 409, नरेला का एक्यूआई 403, जवाहर लाल नेहरू 397, द्वारका सेक्टर 8 का 393, पंजाबी बाग 390, ओखला फेज 2 का 387, आरके पुरम और सिरीफोर्ट का 386-386 तथा चांदनी चौक का 375 दर्ज किया गया है।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के भव्य शुभारंभ के साथ जनपद में शुरू हुआ जागरूकता अभियान

गौतमबुद्धनगर। जनपद में सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण और आम नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह-2026 का शुभारंभ गुरुवार को उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। परिवहन विभाग द्वारा आयोजित यह विशेष अभियान 01 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक पूरे जनपद में संचालित किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी ने हरी झंडी दिखाकर दो दर्जन प्रचार वाहनों को रवाना कर किया।

इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नागरिकों को यातायात नियमों के पालन की शपथ दिलाई गई। अपने संबोधन में जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी ने कहा कि यातायात नियमों का पालन केवल दंड से बचने के लिए नहीं, बल्कि स्वयं और दूसरों की सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। उन्होंने हेलमेट और सीट बेल्ट के नियमित प्रयोग पर जोर देते हुए "नो हेलमेट, नो फ्यूल" अभियान की सराहना की तथा ओवरस्पीडिंग और नशे की हालत में वाहन चलाने पर सख्त कार्रवाई की आवश्यकता बताई। डीसीपी यातायात प्रवीण रंजन सिंह ने जनपद को "जीरो फेटेलिटी डिस्ट्रिक्ट" बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी देते हुए बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु दर को शून्य करने के लक्ष्य के साथ पुलिस और परिवहन विभाग संयुक्त रूप से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ओवरस्पीडिंग, शराब पीकर वाहन चलाने और अन्य यातायात उल्लंघनों पर लगातार कड़ी निगरानी रखी जा रही है। एआरटीओ (प्रवर्तन) डॉ. उदित नारायण पाण्डेय ने राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के दौरान प्रस्तावित कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि "वीर योजना" के अंतर्गत सड़क दुर्घटना पीड़ितों को त्वरित सहायता, "कैशलेस ट्रीटमेंट योजना" के माध्यम से घायलों को नकद रहित उपचार तथा 'हिट एंड रन योजना' के तहत मुआवजा प्रावधानों को प्रभावी रूप से लागू किया जाएगा, जिससे दुर्घटना पीड़ितों को समय पर राहत मिल सके। कार्यक्रम में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जैसलाल, एआरटीओ विनय सिंह, यात्रीकर अधिकारी के.जी. संजय, संभागीय निरीक्षक (प्राविधिक) संजय गुप्ता, मोटर वाहन प्रशिक्षण विद्यालय के चालक प्रशिक्षक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं लगभग 150 से अधिक लोग उपस्थित रहे।

संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) ने बताया कि प्रचार वाहन जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर यातायात नियमों से संबंधित संदेश, जागरूकता पोस्टर एवं शपथ अभियानों के माध्यम से आमजन को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करेंगे। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह में सक्रिय सहभागिता निभाएँ और सड़क सुरक्षा को अपनी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बनाएं। हेलमेट पहनें, सीट बेल्ट लगाएं, निर्धारित गति सीमा का पालन करें और शराब पीकर वाहन न चलाएं, क्योंकि सुरक्षित सड़कें ही सुरक्षित और खुशहाल जीवन की आधारशिला हैं।

ओटीएस में 300 लोगों ने कराया पंजीकरण

नोएडा। विद्युत निगम की एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) का दूसरा चरण गुरुवार से लागू हो गया। इसके पहले दिन महज 300 लोगों ने ही पंजीकरण कराया। पहले चरण के दौरान करीब 15 हजार उपभोक्ताओं ने पंजीकरण कराकर योजना का लाभ उठाया। योजना के तहत 65 हजार उपभोक्ता लाभ उठा सकते हैं। वहीं, बिजली चोरी के प्रकरण में संलिप्त शेष सात हजार उपभोक्ता भी लाभ उठा सकते हैं। हालांकि, पहले चरण की तुलना में दूसरे चरण में उपभोक्ताओं को पांच प्रतिशत कम सुविधा का लाभ मिलेगा।

विद्युत निगम के अधीक्षण अभियंता (वाणिज्यिक) रितेश आनंद ने बताया कि ओटीएस का दूसरा चरण लागू हो गया है। अब दूसरे चरण को सफल बनाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। इसके लिए बकायेदारों के घर-घर जाकर योजना की जानकारी दी जाएगी और बकायेदारों को बताया जाएगा कि किस तरह योजना का लाभ उठाकर आर्थिक लाभ मिल सकता है। योजना का लाभ उठाने के लिए बकायेदारों को बिजली उपकेंद्र और विद्युत शिविरों में जाना होगा। विद्युत निगम के अधीक्षण अभियंता (वाणिज्यिक) रितेश आनंद ने बताया कि पावर कॉरपोरेशन द्वारा पहली बार ब्याज पर शत-प्रतिशत तक छूट के

साथ मूलधन पर दूसरे चरण के तहत 20 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। इसी तरह बिजली चोरी के प्रकरण में भी जुर्माने पर भी दूसरे चरण में 45 प्रतिशत की सीधी छूट दी जा रही है। विद्युत निगम के अधीक्षण अभियंता ने बताया कि दूसरा चरण एक जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक चलेगा। इसमें पंजीकरण कराने के बाद 30 दिनों में बकाया राशि का भुगतान कराने ही छूट का लाभ उठा सकते हैं।

इसी तरह तीसरा और अंतिम चरण एक फरवरी से 28 फरवरी 2026 तक चलेगा। इसमें पंजीकरण कराने के 30 दिनों में पूर्ण भुगतान करने पर 15 प्रतिशत तक की बकाया बिल पर छूट मिलेगी। इस योजना का लाभ घरेलू और वाणिज्यिक श्रेणी के उपभोक्ता लाभ उठा सकेंगे। इसके अलावा बिजली चोरी के प्रकरण में तीसरे और अंतिम चरण में बिजली चोरी के प्रकरण में संलिप्त लोगों को कुल जुर्माने पर केवल 40 प्रतिशत तक छूट मिलेगी।

मुठभेड़ के बाद शातिर बदमाश गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। गौतमबुद्धनगर जिले में नववर्ष के मौके पर कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए चलाए जा रहे सघन चेकिंग अभियान के दौरान थाना ईकोटेक-3 पुलिस और एक शातिर बदमाश के बीच मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में बदमाश गोली लगने से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस ने मौके से अवैध हथियार, चोरी की मोटरसाइकिल और अन्य आपत्तिजनक सामान बरामद किया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, बुधवार 1 जनवरी 2026 को थाना ईकोटेक-3 पुलिस टीम कुलेसरा से लखनावली की ओर जाने वाले पुस्ता रोड के आसपास संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान सामने से एक मोटरसाइकिल पर सवार व्यक्ति आता दिखाई दिया। पुलिस द्वारा उसे रुकने का इशारा किया गया, लेकिन वह नहीं रुका और तेज गति से सैनिक विहार सुत्याना की दिशा में भागने लगा। भागने के दौरान उसकी मोटरसाइकिल फिसलकर गिर गई। खुद को पुलिस से घिरा देख बदमाश ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसमें मोटरसाइकिल सवार बदमाश गोली लगने से घायल हो गया।

इसके बाद पुलिस ने उसे मौके पर ही काबू में ले लिया। घायल बदमाश की पहचान इमरान पुत्र मतलूब निवासी ग्राम जपनापुर, थाना रोजा, जनपद शाहजहांपुर के रूप में हुई है। वर्तमान में वह थाना ईकोटेक-3 क्षेत्र के ग्राम हबीबपुर में राहुल के मकान में रह रहा था। पुलिस ने उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा .315 बोर, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस, एक मोबाइल फोन, लोहे की छेनीनुमा रॉड और चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है, जिस पर फर्जी नंबर प्लेट लगी हुई थी। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार अभियुक्त इमरान शातिर किस्म का अपराधी है और उसके खिलाफ थाना ईकोटेक-3 में पहले से कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

इनमें चोरी, आर्म्स एक्ट और अन्य गंभीर धाराओं में कुल छह मुकदमे शामिल हैं। पुलिस अब उसके आपराधिक इतिहास की विस्तृत जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वह हाल के दिनों में किन वारदातों में शामिल रहा है।

बंद कंपनियों में चोरी करने वाले गिरोह के 3 सदस्य गिरफ्तार

नोएडा। दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में स्थित बन्द एवं बिना सुरक्षागार्ड वाली कंपनियों की रेकी कर रात में कीमती सामान चोरी करने वाले एक अंतर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 3 शातिर अभियुक्तों को थाना फेस-2 पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से लगभग 2.5 लाख रुपये कीमत का चोरी का सामान, अवैध शस्त्र व घटना में प्रयुक्त 1 कार बरामद किया है।

तीनों बदमाशों के खिलाफ एनसीआर के जनपदों में 46 मुकदमे विभिन्न आपराधिक मामलों में दर्ज हैं। जानकारी के अनुसार थाना फेस-2 पुलिस ने मैनुअल इंटेलिजेंस व गोपनीय सूचना की सहायता से रात में कंपनियों के शटर का ताला काटकर चोरी करने वाले अन्तर्राज्यीय गिरोह के 3 शातिर अभियुक्त अशोक भाटी पुत्र वीरपाल भाटी, सचिन उर्फ विशाल पुत्र राजेन्द्र उर्फ छोटे तथा वसीम मलिक पुत्र सलीम मलिक को ट्रांसपोर्ट नगर सेक्टर-88 के पास से गिरफ्तार किया है।

थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि अभियुक्तों के कब्जे से चोरी का माल जिसमें 41 बंडल तार, 61 लोहे की प्लेट, 120 स्टील की पत्ती जिनकी अनुमानित कीमत 2.5 लाख रुपये है। तीन अवैध चाकू, चोरी करने में प्रयुक्त उपकरण-एक ग्राइंडर मशीन, एक हथौड़ी, एक छैनी, दो लोहे की कटर और चोरी करने में प्रयुक्त कार बरामद किया गया है।

उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान अभियुक्तों से ज्ञात हुआ कि वे दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में स्थित बन्द एवं बिना सुरक्षागार्ड वाली कंपनियों की रेकी करते थे। मौका पाकर ये अभियुक्त रात्रि के अंधेरे में कम्पनियों में प्रवेश कर वहां रखा कीमती सामान जैसे बिजली के तार, लोहे की प्लेटें, स्टील की पत्तियां आदि चोरी कर लेते थे। चोरी किया गया सामान अपनी कार में रखकर ले जाते थे तथा अपने पास अवैध चाकू रखते थे। चोरी किए गए

सामान को बेचकर प्राप्त धनराशि को अपनी शौक में खर्च करते थे। उन्होंने बताया कि अभियुक्त पकड़े जाने के भय से एक स्थान पर नहीं रुकते थे, बल्कि निरंतर स्थान बदलते रहते थे। अभियुक्तों का कोई निश्चित ग्राहक नहीं होता था, बल्कि जहां अधिक दाम मिलता था वहां चोरी किया गया सामान मोल-भाव कर बेच देते थे। पुलिस से बचने के लिए अभियुक्त प्रायः इंटरनेट कॉलिंग का प्रयोग करते थे, ताकि उनकी लोकेशन को पुलिस द्वारा ट्रेस न की जा सके।

उन्होंने बताया कि तीनों अभियुक्त मूल रूप से जनपद बुलन्दशहर के निवासी हैं। चोरी करने पूर्व अभियुक्त अपनी कार की नंबर प्लेट पर टेप लगाकर उसे छिपा देते थे, जिससे वाहन की पहचान व ट्रैकिंग न हो सके। उन्होंने बताया कि अभियुक्तों से पूछताछ कर अन्य आपराधिक इतिहास के बारे में जानकारी की जा रही है।

दोस्तों के साथ जश्न मना रहे युवक की 15वीं मंजिल से गिरकर मौत

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट की आम्रपाली गोल्फ होम्स किंग्सवुड सोसाइटी में नए साल का जश्न युवक के लिए जानलेवा बन गया। पार्टी के दौरान सोसाइटी की 15वीं मंजिल से गिरकर उसकी मौत हो गई। पुलिस युवक के दोस्तों से पूछताछ कर रही है।

> आम्रपाली गोल्फ होम्स किंग्सवुड सोसाइटी में फ्लैट की 15 मंजिल से गिरकर युवक की मौत हुई है। घटना की जांच की जा रही है। मामले में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।
>
> *- संतोष कुमार*
> *एडीसीपी सेंट्रल नोएडा*

बिसरख कोतवाली पुलिस के मुताबिक 31वर्षीय विनीत सोसाइटी की 15वीं मंजिल पर फ्लैट में किराए में रहता था। वह नोएडा की एक कंपनी में नौकरी करता था। बुधवार की रात विनीत अपने फ्लैट पर दोस्तों के साथ नए साल का जश्न मना रहा था। पार्टी के दौरान देर रात अचानक विनीत संदिग्ध परिस्थितियों में 15वीं मंजिल से नीचे आ गिरा। विनीत के नीचे गिरते ही उसके दोस्त वहां से भाग निकले। इस बीच सोसाइटी के लोगों ने विनीत को नजदीक के एक अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच की। दोस्तों के बारे में पता लगाकर उनसे पूछताछ कर रही है। विनीत मूलरूप से बिहार के सिवान जिले के तरवारा गांव का रहने वाला था।

घटना की सूचना उसके परिजनों को दे दी गई है। सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस पुलिस सोसाइटी में लगे सीसीटीवी की फुटेज भी खंगाल रही है। यह पता लगाया जा रहा है कि विनीत के फ्लैट पर कौन-कौन लोग आए थे। इस बारे में भी जानकारी की जा रही है कि विनीत फ्लैट से खुद नीचे गिरा या किसी ने गिराया है।

भारतीय फ्रेंड्स क्लब ने प्रथम स्थापना वर्ष का किया भव्य समापन, सेवा और एकता का दिया सशक्त संदेश

ग्रेटर नोएडा। "एकता ही शक्ति, सेवा ही उद्देश्य" के मूल मंत्र के साथ गठित भारतीय फ्रेंड्स क्लब ने सेक्टर-चाई 4 स्थित प्राकृतिक फार्म में अपने गठन के एक वर्ष के सफल समापन को भव्य एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम के रूप में मनाया। सामाजिक सरोकारों, सांस्कृतिक गतिविधियों और पारिवारिक समन्वय को समर्पित इस आयोजन में उत्साह और सौहार्द का वातावरण देखने को मिला। क्लब के अध्यक्ष ओम प्रकाश अग्रवाल ने कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी पदाधिकारियों, सदस्यों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सदस्यों के समर्पण और सेवा भाव से ही क्लब अपने प्रथम वर्ष में समाज सेवा की ठोस पहचान बनाने में सफल हुआ है।

कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा एवं मंडल अध्यक्ष अर्पित तिवारी की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन की शोभा बढ़ाई। दोनों अतिथियों ने क्लब द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया। क्लब के कोषाध्यक्ष राजेश माथुर ने जानकारी दी कि प्रथम वर्ष में क्लब द्वारा समाज सेवा के तीन कार्य, संस्कृति से जुड़े दो कार्यक्रम, चार सामूहिक यात्राएँ तथा पाँच पारिवारिक मिलन कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गए, जिससे आपसी सौहार्द और सामाजिक सहभागिता को मजबूती मिली।

महासचिव मुकेश गोयल ने बताया कि ठंड के मौसम को देखते हुए जनवरी 2026 के प्रथम सप्ताह में क्लब द्वारा 1000 कंबल, 1000 जोड़ी गरम मोजे एवं 100 जोड़ी जूते जरूरतमंदों के बीच वितरित किए जाएंगे। इस अवसर पर डॉ. रामवीर त्यागी, शिवकुमार आर्य, अशोक अग्रवाल, आनंद प्रकाश अग्रवाल, अनुज सिंघल एवं बंटी अग्रवाल ने उपस्थित सदस्यों को नववर्ष 2026 की शुभकामनाएँ देते हुए सेवा, एकता और समाजहित के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के समापन पर क्लब के संरक्षक गिरीश गुप्ता एवं उपाध्यक्ष गौरव बंसल ने सक्रिय सदस्यों को सम्मान पत्र प्रदान कर उनके योगदान को सराहा।

दिल्ली विधानसभा में अटलजी, मालवीय जी के चित्रों का शनिवार को अनावरण करेंगे राजनाथ सिंह

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और राम बहादुर राय भी उपस्थित रहेंगे

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा सदन में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार, 03 जनवरी को भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी और महामना पंडित मदन मोहन मालवीय के चित्रों का अनावरण करेंगे। यह जानकारी दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने गुरुवार को दी।

विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि इन चित्रों की स्थापना विधानसभा सदन में की जाएगी, जो भारतीय लोकतंत्र, शिक्षा, संस्कृति एवं सार्वजनिक जीवन में इन दोनों महान राष्ट्रनायकों के अतुलनीय योगदान के प्रति गहन सम्मान और स्थायी श्रद्धांजलि का प्रतीक होगी। इस अवसर पर 'भारत माता' शीर्षक से प्रकाशित एक विशेष कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी किया जाएगा। यह प्रकाशन चित्रकला, स्थापत्य और साहित्य के माध्यम से भारतीय राष्ट्रभावना की अभिव्यक्ति को प्रस्तुत करता है तथा राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' की रचना के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में समर्पित है। इसी संदर्भ में दिल्ली पुलिस सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम में राजनाथ सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होंगे और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता तथा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के अध्यक्ष एवं हिन्दुस्थान समाचार के समूह संपादक रामबहादुर राय विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम दिल्ली सरकार के विधायी कार्य मंत्री प्रवेश साहिब सिंह तथा विधानसभा उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट की उपस्थिति में आयोजित होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता करेंगे। इसके अतिरिक्त साहित्य कला परिषद के कलाकारों द्वारा देशभक्ति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया जाएगा, जो भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और राष्ट्रीय विरासत को प्रतिबिंबित करेगा। कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में दिल्ली पुलिस, लोक निर्माण विभाग, बागवानी विभाग, अग्निशमन सेवा, स्वास्थ्य विभाग तथा दिल्ली विधानसभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे।

अध्यक्ष ने कार्यक्रम के सुचारु, सुरक्षित और गरिमापूर्ण आयोजन के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, यातायात नियंत्रण, एम्बुलेंस एवं पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था पर भी जोर दिया। कार्यक्रम में लगभग 1,000 लोगों के सम्मिलित होने की संभावना है तथा सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए है। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि इन दोनों महान विभूतियों के चित्रों की स्थापना राष्ट्रसेवा और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उनके समर्पण को नमन करने का एक सार्थक प्रयास है। द

`शभक्ति, साहस और लोकसेवा के उनके आदर्श आज भी जनप्रतिनिधियों और नागरिकों को प्रेरणा प्रदान करते हैं। 'भारत माता' कॉफी टेबल बुक के संबंध में उन्होंने कहा कि यह प्रकाशन कला और साहित्य के माध्यम से भारतीय राष्ट्रीय चेतना के विकास की यात्रा को प्रस्तुत करता है और पाठकों को राष्ट्र की सांस्कृतिक पहचान को गहराई से समझने का अवसर प्रदान करता है। 'भारत माता' कॉफी टेबल बुक भारतीय राष्ट्रवाद की अवधारणा को विविध कलात्मक और सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों के माध्यम से प्रस्तुत करने वाला एक सुविचारित प्रकाशन है। इसमें चयनित चित्रकला, स्थापत्य और साहित्यिक कृतियों को संकलित किया गया है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी भारत की एकता, सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्रीय पहचान को सुदृढ़ करने में कला की भूमिका को रेखांकित करेगा।

मुख्यमंत्री ने नव वर्ष पर मरघट वाले हनुमान मंदिर में की पूजा-अर्चना

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नव वर्ष के पहले दिन गुरुवार को यहां के यमुना बाजार स्थित मरघट वाले हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना की एवं संतों का आशीर्वाद लिया। उन्होंने बजरंगबली से हर दिल्लीवासी की सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा कि नया साल सभी के जीवन में नई आशाएं और नए अवसर लेकर आए, जय बजरंगबली। इससे पहले मुख्यमंत्री ने एक्स पोस्ट में सभी को नववर्ष की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि नववर्ष का यह शुभ अवसर दिल्ली के प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में नई आशा, सकारात्मक ऊर्जा और सतत प्रगति का संदेश लेकर आए। ईश्वर से प्रार्थना है कि आने वाला समय आपके प्रयासों को सफल बनाए तथा आपका जीवन सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य से परिपूर्ण हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली की सेवा और जनहित के प्रति हमारी प्रतिबद्धता इस वर्ष नई ऊर्जा और अधिक दृढ़ संकल्प के साथ क्रियान्वित होगी। विकास और सुशासन की दिशा में निरंतर आगे बढ़ती दिल्ली की मूल शक्ति उसके नागरिकों का विश्वास और सक्रिय सहभागिता है। यह नववर्ष एक सशक्त, समावेशी और समृद्ध राजधानी के निर्माण की साझा जिम्मेदारी को और अधिक प्रगाढ़ करने का अवसर प्रदान करता है।

संक्षिप्त खबरें

ऑपरेशन विश्वास के तहत 711 फोन बरामद

नई दिल्ली। शाहदरा जिला पुलिस ने ऑपरेशन विश्वास के तहत चोरी, झपटमारी, लूट और गुम हुए कुल 711 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस ने नववर्ष की पूर्व संध्या पर इनमें से 86 फोन उनके मालिकों को सौंप दिए, जबकि शेष फोन के मालिकों की पहचान कर उन्हें लौटाने की प्रक्रिया जारी है। डीसीपी प्रशांत गौतम ने बताया कि एक मई से शुरू किए गए इस अभियान के दौरान बरामद मोबाइल फोन की अनुमानित कीमत करीब एक करोड़ रुपये आंकी गई है। अभियान का नेतृत्व शाहदरा जिला पुलिस की टेक्निकल सर्विलांस टीम ने किया। तकनीकी विश्लेषण में सामने आया कि कई मोबाइल फोन देश के अलग-अलग हिस्सों, खासकर दिल्ली में सक्रिय हैं। इसके बाद जिले के विभिन्न थानों और इकाइयों की 13 विशेष टीमों का गठन कर बरामदगी की गई। पुलिस के अनुसार यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

त्रिवेणी गैलरी में चित्र प्रदर्शनी का आयोजन

नई दिल्ली। त्रिवेणी गैलरी में प्रसिद्ध चित्रकार भारत कुमार जैन की एकल चित्र प्रदर्शनी 'द डाइंग ह्यू: व्हेन प्रोग्रेस इरेजेज द कलर्स ऑफ लाइफ' का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रदर्शनी एक से नौ जनवरी तक रोजाना सुबह 11 से रात 8 बजे तक दर्शकों के लिए खुली रहेगी। इस प्रदर्शनी में कलाकार ने आधुनिक विकास, शहरीकरण और औद्योगिक विस्तार के प्रभावों को अपने चित्रों के माध्यम से अभिव्यक्त किया है।

लापता किशोरी और महिला सकुशल बरामद

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिमी जिला पुलिस की अशोक विहार थाना टीम ने बुधवार को एक किशोरी और एक महिला को सकुशल बरामद कर परिजनों के हवाले किया। दोनों पर 20-20 हजार रुपये का इनाम रखा गया था। डीसीपी भीष्म सिंह ने बताया कि दो नवंबर को 16 वर्षीय किशोरी के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज की गई थी। जांच के दौरान सीडीआर विश्लेषण के आधार पर पुलिस टीम ने बिहार के बक्सर से किशोरी को सुरक्षित बरामद किया। दूसरे मामले में 18 अक्तूबर को गुमशुदा महिला रोशनी को झारखंड पुलिस की मदद से धनबाद से बरामद किया गया।

विशेष अभियान के तहत 5 बदमाश हथियार समेत दबोचे

नई दिल्ली। नए साल से पहले बाहरी जिला पुलिस ने दो दिन का विशेष अभियान चलाकर हथियारों के साथ घूम रहे पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो तमंचे, तीन चाकू और कारतूस बरामद किए हैं। डीसीपी सचिन शर्मा ने बताया कि सभी आरोपियों के खिलाफ मंगोलपुरी, निहाल विहार, रानी बाग और राज पार्क थानों में आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमे दर्ज किए गए हैं। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर हथियारों की सप्लाई करने वाले गिरोह और उनके नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है।

नशे में गाड़ी चलाने वाले 300 फीसदी ज्यादा पकड़े गए

नई दिल्ली। नए साल का जश्न मनाने के दौरान राजधानी में बड़ी संख्या में शराब पीकर गाड़ी चलाने के मामले सामने आए। ऐसे लोगों पर कार्रवाई के लिए ट्रैफिक पुलिस की तरफ से लगभग 100 टीमों को तैनात किया गया था। 31 दिसंबर की देर रात ट्रैफिक पुलिस द्वारा दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में कुल 857 लोगों का नशे में गाड़ी चलाने के लिए चालान किया गया। यह संख्या वर्ष 2024 में 31 दिसंबर की रात नशे में पकड़े गए लोगों से तीन गुना है। ट्रैफिक डीसीपी शशांक जायसवाल के अनुसार नव वर्ष की पूर्व संध्या पर ट्रैफिक पुलिस द्वारा कनॉट प्लेस सहित उन प्रमख स्थानों पर बंदोबस्त किए गए थे जहां बड़ी सख्या में लोग आते हैं। कई जगहों पर स्थानीय पुलिस एवं पीसीआर के साथ मिलकर यातायात पुलिस ने नियमों का उल्लंघन कर रहे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की ताकि सड़क हादसे रोके जा सकें। विशेष तौर पर नशे में गाड़ी चलाने, ट्रिपल राइडिंग, बिना हेलमेट दुपहिया चलाना, गलत दिशा से वाहन चलाना एवं अवैध पार्किंग को लेकर कार्रवाई की गई।

नववर्ष पर दिल्ली के मंदिरों में दर्शन करने पहुंचे श्रद्धालु

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। नव वर्ष के अवसर पर दिल्ली के सभी मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ दिखाई दी। कालकाजी मंदिर, कमल मंदिर, कनॉट प्लेस स्थित हनुमान मंदिर, यमुना बाजार स्थित मरघट वाले हनुमान मंदिर, झंडेवालान देवी मंदिर, छतरपुर मंदिर, बिड़ला मंदिर, लोधी रोड साई मंदिर समेत मंदिरों पर श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला देर रात से शुरू हो गया। सुबह-सुबह इन मंदिरों का आगे लंबी लाइन लगी हुई है। मंदिरों के पास की सड़क दूर-दूर तक लोगों से भरी हुई थी। गाड़ियां इन सड़कों पर जाम में फंसी रहीं।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता आज सुबह मरघट वाले हनुमान मंदिर में दर्शन किए और दिल्लीवासियों के सुख, समृद्धि एवं उत्तम स्वास्थ्य की प्रार्थना की। भाजपा सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने आज कनॉट प्लेस स्थित हनुमान मंदिर में भगवान श्री हनुमान जी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। उन्होंने बजरंगबली से देशवासियों के स्वस्थ, सुरक्षित और समृद्ध रहने की प्रार्थना की। कनॉट प्लेस स्थित हनुमान मंदिर में सुबह से ही भीड़ देखी गई। मंदिर के दोनों ओर करीब डेढ़ किलोमीटर लंबी लाइन लगी हुई है। कड़ाके की ठंड के बीच श्रद्धालु सुबह से ही अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए। इसके साथ ही करोलबाग स्थित झंडेवालान देवी मंदिर में 31 दिसंबर की रात से ही श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया और नववर्ष पर यहां भी काफी भीड़ दिखाई दी। उसके आस-पास की सड़कों लंबा जाम दिखाई दिया।

विकास कार्यों की गुणवत्ता और समय-सीमा में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : रविंद्र इंद्राज

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने व्यापक जनसंपर्क के दौरान कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और तय समय-सीमा में कार्य पूरे न करने वाले अधिकारियों एवं संबंधित एजेंसियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्थानीय लोगों से संवाद के दौरान कहा कि सभी जर्जर पानी और सीवर की लाइनें बदली जाएंगी। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बगैर नक्शा पास हुए किसी भी तरह के कनेक्शन न दिए जाएं।

रविंद्र इंद्राज ने दीप विहार, बेगमपुर, बरवाला रोड, राजीव नगर, राजीव नगर एक्सटेंशन, पप्पू कॉलोनी, कृष्णा कॉलोनी, शिव विहार और शाहबाद डेयरी क्षेत्रों का दौरा कर स्थानीय निवासियों से सीधा संवाद किया और उनकी शिकायतों पर अधिकारियों को तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए।

जनसंपर्क के दौरान स्थानीय लोगों ने सड़कों, गलियों के निर्माण, पानी की आपूर्ति, नालियों की सफाई, सीवर ओवरफ्लो को लेकर शिकायतें कैबिनेट मंत्री के समक्ष रखीं। उन्होंने कई स्थानों पर बरसात के दौरान जलभराव से लोगों को हो रही परेशानी का भी जिक्र किया। कैबिनेट मंत्री ने मौके पर मौजूद दिल्ली जल बोर्ड, दिल्ली नगर निगम, लोक निर्माण विभाग और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी शिकायतों का समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए। मंत्री इंद्राज ने कहा कि उत्तर पश्चिम दिल्ली का समग्र विकास उनकी प्राथमिकता है। सरकार जनता के साथ मिलकर विकसित दिल्ली के लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

बाबू शर्मा की जयंती पर प्रदेश कार्यालय में कांग्रेसियों ने अर्पित किए श्रद्धा सुमन

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने गुरुवार को पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राम बाबू शर्मा की जयंती पर प्रदेश कार्यालय में उनकी तस्वीर पर फूल चढ़ाकर उन्हें अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर राम बाबू शर्मा के पुत्र पूर्व विधायक विपिन शर्मा भी मौजूद रहे। साईं मंदिर शाहदरा में भी राम बाबू शर्मा की जयंती पर श्रद्धांजलि सभा रखी गई।

प्रदेश कार्यालय में राम बाबू शर्मा की जयंती के अवसर पुष्पांजलि अर्पित करने वालों में देवेंद्र यादव के साथ पूर्व मंत्री दिल्ली सरकार डा. नरेन्द्र नाथ, कम्युनिकेशन विभाग के चेयरमैन अनिल भारद्वाज, पूर्व विधायक विपिन शर्मा, भीष्म शर्मा, कुंवर करण सिंह, निगम स्थायी समिति के पूर्व चेयरमैन जितेंद्र कुमार कोचर, जिला अध्यक्ष धर्मपाल चंदेला, सुमित शर्मा, महेंद्र मंगला, पूर्व जिला अध्यक्ष राजेश चौहान, डा. पीके मिश्रा, जेपी पंवार, कमल अरोड़ा, पूर्व पार्षद ईश्वर बागड़ी, अनिल गौतम, सतीश टांक, सोनू प्रधान तथा कांग्रेस कार्यकर्ता भी शामिल रहे। देवेंद्र यादव ने कहा कि राम बाबू शर्मा दिल्ली की राजनीति की एक कद्दावर शख्सियत रहे, जिन्होंने अपने परिश्रम और पार्टी में योगदान के बलबूते ब्लॉक अध्यक्ष से लेकर दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के पद तक की जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया। राम बाबू शर्मा निर्वाचित प्रतिनिधि के रूप में निगम पार्षद और विधायक भी रहे। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष रहते हुए। राम बाबू शर्मा ने दिल्ली प्रदेश की बहुमंजिला इमारत बनाई, जो दिल्ली कांग्रेस परिवार का गौरव है। उनके द्वारा बनाए भवन के साथ जुड़े राम बाबू शर्मा के नाम को आने वाली पीढ़िया भुला नहीं सकती। उनकी याद में इस भवन की पहली मंजिल के सम्मेलन कक्ष राम बाबू शर्मा का नाम दिया है।

देवेंद्र यादव ने कहा कि राम बाबू शर्मा ने निगम में स्थायी समिति के चेयरमैन के पद पर रहते हुए दिल्ली नगर निगम पर एकछात्र राज किया और दिल्ली की स्वच्छता, सफाई व्यवस्था के लिए उपयुक्त कर्मचारियों की भर्ती कर प्रदूषण जैसे संकट को दिल्ली में बढ़ने नहीं दिया था। देवेंद्र यादव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी अपने निर्धारित सिद्धांतों का निष्ठापूर्वक पालन करती है और कार्यकर्ताओं को अपने नेताओं के योगदान और बलिदानों को हमेशा याद रखने की शिक्षा दी जाती है, क्योंकि कांग्रेस पार्टी की विचारधारा प्रत्येक कार्यकर्ता के रक्त में समाई हुई है।

कचरे के ढेर में दबकर तालाब ने खोया प्राकृतिक स्वरूप

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। कभी साफ पानी, पक्षियों की चहचहाहट और जैव विविधता के लिए पहचाने जाने वाले झड़ोदा तालाब आज अपनी बदहाली की कहानी खुद बयां कर रहा है। कचरे के ढेर ने इस जलस्रोत के अस्तित्व पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

हालात इतने बदतर हो चुके हैं कि अब यह मामला राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) तक पहुंच गया है। यहां केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने तालाब की स्थिति को लेकर रिपोर्ट दाखिल की है। रिपोर्ट में बताया गया कि कचरे के ढेर के कारण तालाब का अस्तित्व संकट में है। हैरानी की बात यह है कि नमभूमि (संरक्षण और प्रबंधन) नियम, लागू होने के बावजूद दिल्ली में मौजूदा समय में एक भी तालाब को आधिकारिक रूप से अधिसूचित नहीं किया गया है। दिल्ली नमभूमि प्राधिकरण के रिकॉर्ड में सिर्फ दो तालाब दर्ज हैं, जो यमुना बायोडायवर्सिटी पार्क के भीतर स्थित हैं।

रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि वजीराबाद और आसपास के इलाकों में कई स्थानों पर प्राकृतिक तालाबों के निशान मौजूद हैं, जहां गीली मिट्टी, जलजमाव और दलदली क्षेत्र इसके प्रमाण हैं। इसके बावजूद इन्हें बचाने या संरक्षित करने के लिए अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। दो साल से बन चुका है कचरे का ढेर एनजीटी ने इसी वर्ष जुलाई में एक मीडिया रिपोर्ट का स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया था। रिपोर्ट के मुताबिक, वजीराबाद के पास झड़ोदा तालाब काफी साफ रहता था, लेकिन पिछले दो सालों में यहां कचरा भर गया है। अब तालाब की जगह एक समतल जमीन ले चुकी है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि भलस्वा लैंडफिल से मलबा यहां पर डाला जा रहा है।

दिल्ली के आनंद पर्वत में पति ने पत्नी की हत्या के बाद दी अपनी जान

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली के मध्य क्षेत्र स्थित आनंद पर्वत इलाके में 44 वर्षीय एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की कथित हत्या करने के बाद आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, बुधवार शाम करीब 5:26 बजे पीसीआर पर सूचना दी गई जिसके बाद मामले का पता चला। नाय बस्ती स्थित एक मकान में संदिग्ध स्थिति की पीसीआर पर जानकारी दी गई थी।

सूचना देने वाले की पहचान मृतक के साले के रूप में हुई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने पाया कि एक कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था, जिसे स्थानीय लोगों की मौजूदगी में तोड़ा गया। कमरे के अंदर 37 वर्षीय महिला का शव फर्श पर पड़ा मिला, जबकि व्यक्ति का शव छत से फंदे पर लटका हुआ था।

दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान जय प्रकाश और उसकी पत्नी ज्योति के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि परिजनों के अनुसार जय प्रकाश पिछले कई वर्षों से अवसाद से पीड़ित था। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, श्प्रारंभिक जांच से प्रतीत होता है कि व्यक्ति ने कमरे को अंदर से बंद कर पहले पत्नी की गला घोंटकर हत्या की और बाद में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

डीयू एग्जामिनेशन ब्रांच में विद्यार्थियों और पेपरों की संख्या में रिकॉर्ड बढ़ोतरी

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के एग्जामिनेशन विंग में पिछले साल में विद्यार्थियों और पेपरों की संख्या में रिकार्ड बढ़ोतरी हुई है। उसके बावजूद एग्जामिनेशन विंग ने परीक्षाओं का सफल संचालन किया।

डीयू के परीक्षा नियंत्रक प्रो. गुरप्रीत सिंह टुटेजा ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि एग्जामिनेशन विंग को अपनी कामयाबियों, खासकर नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) के तहत दिल्ली विश्वविद्यालय के सेमेस्टर एग्जाम सफलतापूर्वक कराने पर गर्व है। स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग समेत लगभग 90 कॉलेजों में 7 लाख से ज्यादा विद्यार्थियों के लिए परीक्षाएं कराई गई। इनमें 10 हजार से ज्यादा शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी से लगभग 15000 प्रश्न पत्र तैयार किए गए। प्रो. टुटेजा ने बताया कि हाल के वर्षों में दिल्ली विश्वविद्यालय की एग्जामिनेशन ब्रांच के ऑपरेशनल स्केल में काफी बढ़ोतरी हुई है, जो विश्वविद्यालय के बढ़ते एकेडमिक फुटप्रिंट और असेसमेंट सिस्टम की बढ़ती कॉम्प्लेक्सिटी को दिखाता है। अकादमिक वर्ष 2021–22 से 2025–26 तक के ऑफिशियल डेटा और हाल के एग्जामिनेशन सेशन स्टूडेंट पार्टिसिपेशन, क्वेश्चन पेपर और सेशनल वर्क लोड में लगातार बढ़ोतरी दिखाते हैं।

उन्होंने बताया कि नवंबर-दिसंबर 2025 सत्र के दौरान एक ही सत्र में आयोजित प्रश्न पत्रों की अधिकतम संख्या 941 पर पहुंच गई, जबकि नवंबर-दिसंबर 2024 में यह 228 थी। इसी तरह, एक सत्र में परीक्षा देने वाले छात्रों की अधिकतम संख्या एक वर्ष के भीतर 69,808 से बढ़कर 86,000 हो गई। ये आंकड़े एक ही सत्र में विश्वविद्यालय की परीक्षा प्रणाली द्वारा संभाले गए अब तक के सबसे अधिक कार्यभार को दर्शाते हैं।

संपादकीय

सेहत का नया साल

आज हम एक नये साल में प्रवेश कर गये हैं। नववर्ष पर हम एक दूसरे को शुभकामनाएं देते हैं। मंगलकामनाएं अभिव्यक्त करते हैं। लेकिन नये वर्ष के आगमन के उत्साह में हम इकतीस दिसंबर को देर रात तक नये साल के जश्न में जुटे रहे। इधर देश में प्रयोगधर्मी खानपान व नशीली पार्टियों का फैशन जैसा बन गया है। देर रात तक चलने वाली पार्टियों के बाद नये साल के पहले दिन ही हमारी नींद देर से खुलती है। फिर नये साल का पहला दिन ही सुस्ती और आलस्य के साथ शुरू होता है। कायदे से नये साल की शुरुआत एक ताजगीभरी सुबह के साथ होनी चाहिए। नये संकल्पों के लिए ऊर्जावान सुबह के साथ शुरू हो पहला दिन। निश्चित रूप से हमारा सामान्य जीवन व्यवहार बंधनों में नहीं बांधा जा सकता, लेकिन स्वस्थ जीवन के लिए कुछ नियम जरूरी भी हैं। दरअसल, नये दौर में हम, खासकर नई पीढ़ी एक अराजक जीवन जीने को अपनी शान समझती है। अमेरिका में हुए कुछ शोधों के बाद पता चला है कि सुबह जल्दी उठना और रात को जल्दी सोना हमारी सेहत की गारंटी होती है। यह पुरानी भारतीय अवधारणा ही है। भारतीय समाज में ब्रह्ममुहूर्त में उठने की प्रतिष्ठित परंपरा रही है। इस समय प्रकृति एकाग्रता-ध्यान हेतु शांत होती है। शरीर के मल स्वतः बाहर निकलने की प्रक्रिया में होते हैं। यह तथ्यपरक है कि हम जितनी जल्दी नित्यकर्म से निवृत्त होते हैं, उतने जल्दी स्वस्थ होते हैं। नया साल न तो कोई जादू है और न ही चमत्कार करने वाला होता है। महज एक नये दिन मानक होता है। नया दिन बदलाव के संकल्प का और उससे जीवन को सुखमय बनाने का। यूं भी जब जनवरी के पहले दिन का आगमन होता है तो शीत का प्रकोप होता है, जिसके चलते जीवन की गति मंथर हो जाती है। संभवतः शीतजनित इस नीरसता व एकरसता को तोड़ने के लिए दुनिया में नववर्ष के उत्सव को बड़े पैमाने पर मनाने की परंपरा शुरू की गई होगी। सही मायनों में उत्सव का उल्लास हमारे तन-मन को स्वस्थ और मंगलमय बनाने के लिए होता है। लेकिन इस दौरान हम खानपान को लेकर अराजक व्यवहार करने लगते हैं। दरअसल, हमारा शरीर बेहद संवेदनशील व हमारी सेहत के प्रति सचेत होता है। शरीर का अपना उन्नत सुरक्षा-तंत्र लगातार हमारे स्वास्थ्य की फिक्र करता है। वह शरीर को सर्दी-गर्मी के अनुरूप अपना ताप नियंत्रित कर हमारे जीवन की रक्षा करता है। वह बार-बार संकेतों से हमें सचेत करता है। हम उसकी आवाज अनसुनी कर देते हैं। एक सीमा तक वह इसे बर्दाश्त करता है, लेकिन फिर असहाय होने की स्थिति में बीमार पड़ जाता है। अक्सर देखते हैं कि नये साल के जश्न, शादी-विवाह व मुफ्त की पार्टियों में हम जरूरत से ज्यादा खा लेते हैं। लेकिन खाने-पीने की अराजकता पेट को लगातार परेशान करती है। उत्सव व पार्टी में हम सामान्य दिनों की तुलना में ज्यादा खा लेते हैं। योग दर्शन बताता है कि पेट को चार भागों में मानकर दो भाग खाने के लिये, एक पानी और एक आकाश तत्व के लिये रखें। आकाश तत्व यानी खाली रखने के लिए, जिससे पाचन की क्रिया सुगम होती है। हम किसी मशीन में भी कोई पदार्थ ठूंस-ठूंस कर भर दें, तो उसकी गति बाधित होती है।

यह सर्वविदित ही है कि युवाओं का एक बड़ा वर्ग ऐसा है जिनकी सोच, संस्कृति, जीवनशैली एवं मनोरंजन के सारे साधन बदल गए हैं। बेशक अत्याधुनिक कहे जाने वाले सभी युवाओं के जीवन में ऐसा नकारात्मक परिवर्तन न आया हो लेकिन इस तथ्य को नकारा नहीं जा सकता कि भटकाव के कई नये द्वार खुल गए हैं। फैशनपरस्ती और ड्रग्स उनके जीवन का आधार बन गए हैं। इन्हें किसी से कोई मतलब नहीं है, केवल अपना मनोरंजन करना था मनमानी करना, इनकी नियति बन गई है। माता-पिता से इनका नाता सिर्फ लेने तक ही सीमित हो रहा है, उनके प्रति कोई दायित्व बोध नहीं। परिवार से ही नही, समाज और राष्ट्र के बारे में जानने की इच्छा भी औपचारिकता भर है। इनकी दिलचस्पी किसी न जाने किस दूसरे लोक में है। सकारात्मक सोच से बहुत दूर ये युवा वर्तमान युग की कई खोखली चीजों से प्रभावित हैं। अपने कर्तव्यों और कार्यक्षेत्रों से विमुख ये युवा पता नहीं कौन-सी नई राह बनाने में लगे हैं। आज के युवाओं को प्रभावित करने वाली चीजों में से मुख्य हैं- इंटरनेट, अश्लील एवं फूहड़ फिल्में, पब संस्कृति, ड्रग्स, फैशन, महंगे मोबाइल, जिनमें एसएमएस एवं एमएमएस करना, महंगी गाड़ियां एवं न सबके लिए मोटी रकम।

सर्वनाश की ओर ले जाता तूफान

-डा. विनोद बब्बर-

वर्तमान समय युवा युग कहलाता है। भारत को विशेष रुप से युवा भारत के नाम से संबोधित किया जा रहा है क्योंकि हमारी जनसंख्या का सबसे बड़ा भाग युवा है और तेजी से बदलती तस्वीर में युवा शिक्षा के क्षेत्र में अनेंक कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। उच्च शिक्षा, व्यवसाय से राजनीति तक, देश से विदेश तक हमारे युवाओं की धूम है तो ऐसे में हमारे मन का प्रफुल्लित होना स्वाभाविक है लेकिन इस सुखद परिवर्तन के साथ हो रहे अन्य परिवर्तनों की भी हम अनदेखी नहीं कर सकते। साथ-ही-साथ हमें यह भी स्वीकार करना होगा कि इस स्थिति के लिए कहीं-न-कहीं अपने बच्चों को अच्छे संस्कार न दे पाने के हम स्वयं भी दोषी हैं।

यह सर्वविदित ही है कि युवाओं का एक बड़ा वर्ग ऐसा है जिनकी सोच, संस्कृति, जीवनशैली एवं मनोरंजन के सारे साधन बदल गए हैं। बेशक अत्याधुनिक कहे जाने वाले सभी युवाओं के जीवन में ऐसा नकारात्मक परिवर्तन न आया हो लेकिन इस तथ्य को नकारा नहीं जा सकता कि भटकाव के कई नये द्वार खुल गए हैं। फैशनपरस्ती और ड्रग्स उनके जीवन का आधार बन गए हैं। इन्हें किसी से कोई मतलब नहीं है, केवल अपना मनोरंजन करना था मनमानी करना, इनकी नियति बन गई है। माता-पिता से इनका नाता सिर्फ लेने तक ही सीमित हो रहा है, उनके प्रति कोई दायित्व बोध नहीं। परिवार से ही नही, समाज और राष्ट्र के बारे में जानने की इच्छा भी औपचारिकता भर है। इनकी दिलचस्पी किसी न जाने किस दूसरे लोक में है। सकारात्मक सोच से बहुत दूर ये युवा वर्तमान युग की कई खोखली चीजों से प्रभावित हैं। अपने कर्तव्यों और कार्यक्षेत्रों से विमुख ये युवा पता नहीं कौन-सी नई राह बनाने में लगे हैं। आज के युवाओं को प्रभावित करने वाली चीजों में से मुख्य हैं- इंटरनेट, अश्लील एवं फूहड़ फिल्में, पब संस्कृति, ड्रग्स, फैशन, महंगे मोबाइल, जिनमें एसएमएस एवं एमएमएस करना, महंगी गाड़ियां एवं न सबके लिए मोटी रकम। ये चीजें ऐसी हैं, जो युवाओं में रचनात्मक एवं सृजनात्मक सोच के बजाय, घातक सोच को अंजाम दे रही हैं, परंतु हमारे युवा इस घातक सोच को ही आधुनिक युग की प्रतिष्ठा एवं सम्मान का स्वरूप देने में जुट गए हैं। इस सर्वेक्षण में जो तथ्य सामने आये हैं, उससे कष्ट तो होना स्वाभाविक है परंतु सच्चाई चाहे कितनी भी अप्रिय क्यों न हो उसे नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता है। यदि हम इस ओर से आँखें मूंदते हैं तो इसका अर्थ होगा कि हम भी इस संकट को हल्के से ले रहे हैं।

इस तथ्य से कौन इंकार करेगा कि इंटरनेट का मायाजाल आज का सर्वाधिक आकर्षित करने वाला एक सशक्त माध्यम है। सर्वेक्षण से पता चलता है कि युवा इंटरनेट से सूचना एवं ज्ञानवर्द्धक सामग्री से अधिक कुछ ऐसी बातें खोजते हैं जो उनके नैतिक पतन का रास्ता तैयार करती हैं। जैसे वेब पोर्टलों पर सेक्स से जुड़ी कई साइट्स हैं, जो सहज ही आकर्षित कर लेती हैं। भारत के उच्च शिक्षण संस्थान जैसे दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, बंगलौर, खड़गपुर, अहमदाबाद आदि बड़े महानगरों में स्थित आई.आई.टी., मेडिकल एवं आई.आई.एम. के युवाओं से पूछे जाने पर यह बात सामने आई कि इन संस्थानों में अधिकतर युवाओं एवं युवतियों के लिए सेक्स एक सामान्य बात है। विवाह से पूर्व ही इन्हें वैवाहिक जीवन की सामान्य गतिविधियों की अच्छी-भली जानकारी एवं अनुभव प्राप्त है। पाँच से सात प्रतिशत युवा, जो इस राह को नापसंद करते हैं, उन्हें विशिष्ट विशेषणों से नवाजा जाता है। मंहगे उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षा प्राप्त करने का तात्पर्य है चरित्र, शील एवं सभी मर्यादाओं को ताक पर रख देना। किसी भी देश की धड़कन कहे जाने वाले तथा राष्ट्र को अपने मजबूत कंधों पर ढोकर ले जाने वाले युवाओं के एक वर्ग ने अश्लीलता की इतनी हदें पार कर ली हैं कि न तो उनके जीवन की धड़कन ही सही ढंग से धड़क पा रही है और न वे स्वयं अपने जर्जर शरीर को लड़खड़ाते कदमों से झेल पा रहे हैं। जब ये स्वयं को नहीं संभाल पा रहे हैं तो समाज एवं राष्ट्र के भार को क्या वहन कर पाएंगे। अश्लीलता की आग में झुलस रहे युवाओं को ड्रग्स एवं नशा खूब जला रहे हैं। छोटी उम्र में ही नशे और कामुकता के प्रति बढ़ता आकर्षण शहर से गांव तक, विश्वविद्यालय से स्कूल स्तर तक, कुछ भी न करने वाले आवारा बच्चों में विशेष रूप से बढ़ रहा है। दुर्भाग्य की बात है कि इस आत्मघाती प्रवृत्ति को क्षमता बढ़ाने का नाम दिया जा रहा है। इनके लिए क्षमता का अर्थ नए ड्रग्स का अधिकतम उपभोग है। दुर्भाग्य से युवाओं में ही नहींहमारे पूरे समाज मेंहोने वाली पार्टियों में शराब सहित अनेक प्रकार के ड्रग्स का प्रचलन बढ़ा है। इधर हुक्का पब के नाम पर भी बहुत कुछ चल रहा है। नव वर्ष की पूर्व संध्या पर देश के विभिन्न भागों में हुड़दंग देखने सुनने को मिलते हैं जहाँ बहुत बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थों का उपयोग किया जाता है। एक ओर समाज कानून व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति से परेशान है तो दूसरी ओर राजधानी सहित देश के विभिन्न भागों में शराब की दुकानों की संख्या बड़ी है। दूध और घी की दुकान पर बेशक एक भी व्यक्ति न हो लेकिन शराब की हर दुकान के बाहर लंबी-लंबी लाइन देखने को मिलती हैं। आखिर इसका क्या अर्थ हो सकता है? आखिर किस ओर जा रहे हैं? क्या नशे की यह सूनामी हमें सर्वनाश की ओर ले जा रही है ?

पिछले दिनों संसद के केंद्रीय कक्षा में एक सांसद का ई सिगरेट का उपयोग करते हुए वीडियो वायरल हुआ जबकि भारत में ई सिगरेटके व्यापार बिक्री पर प्रतिबंध है। इस गंभीर मामले की शिकायत लोकसभा को अध्यक्ष को की गई परंतु अब तक कोई कार्रवाई न होने से देश में गलत संकेत जाता है। दुर्भाग्य की बात यह है कि उस दल के नेतृत्व में भी अब तक उसे संसद के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की। क्या यह मान लिया जाए कि कानून और लोक लाज की दृष्टि में प्रतिबंध नशे के उपयोग को गलत मानना छोड़ दिया जाए। एशिया में आज सिंथेटिक रसायन और मस्तिष्क को प्रभावित करने वाले एंफेटामाइन्स की खूब मांग है। अनेक प्रकार के मादक पदार्थों की सूची में लिकर चॉकलेट भी शामिल हो गई है जो युवाओं के हारमोंस को बदल उनके भविष्य को नष्ट करने का एक बड़ा कारण बन रही है। सीमा पार से आने वाले नशे का सामान पंजाब सहित अनेक राज्यों को बर्बाद कर रहा है। ओआरजी नेट पर ड्रग डाटाबेस को खंगालते एक 15 वर्षीय लड़के मंगेश से पूछने पर पता चलता है कि मादक पदार्थों का नुस्खा तैयार करने में महारत हासिल करना चाहता है और देसी एलएसडी का जादुई काढ़ा तैयार करके अपना चमकीला कैरिअर बनाना चाहता है। इस किशोर को पता नहीं कि वह मादक पदार्थों के तस्करों के लिए आसान माध्यम बनने जा रहा है। एक सर्वेक्षण के अनुसार एम्स में नेशनल ड्रग डिपेन्डेन्स ट्रीटमेंट सेंटर में प्रतिवर्ष 50 हजार से अधिक नशेड़ी पहुँचते हैं। इनमें से आधे से अधिक की सामुदायिक देख-भाल की जाती है। इससे पता चलता है कि अफीम के उत्पादों का प्रय सिंथेटिक मादक पदार्थों का इस्तेमाल करने वालों की संख्या इससे भी कम समय में तेजी से बढ़ी हुई पाई गई और उपचार कराने वालों में से इसके व्यसनियों की संख्या 15 फीसदी बढ़ी हुई मिली।

नेशनल सेंटर फॉर ड्रग यूज प्रिवेंशन के उपनिदेशक सुरेश कुमार का कहना है कि पेनकिलर, सिडेटिव, एंक्जियोलाइटिक्स, हिप्नॉटिक जैसी दवाओं के साथ ही अफीम से बनी सिंथेटिक दवाओं का दुरूपयोग तेजी से बढ़ रहा है। इस संदर्भ में 2008 में आर.एस.आर.ए. के तहत दक्षिण एशिया के देशों में 21 से 30 साल के 9465 लोगों को सर्वेक्षण किया गया थां. इससे पता चला कि भारत में 5800 उत्तरदाताओं में से 43 फीसदी से अधिक दर्दनिवारक दवा की सुई लगवाते हैं। नशीली दवाएं लेना एक ऐसी आदत है जो बन जाने के बाद छोड़नी असंभव हो जाती है। हर व्यक्ति एक ही चीज पसंद नहीं करता है। कोई एक पसंद करता है तो कोई दूसरी।

गिग वर्कर्स की हड़ताल के मायने

-ललित गर्ग-

नए साल की पूर्व संध्या पर देश में एक ऐसा वाकया हुआ, जिसकी कल्पना सुविधाभोगी संपन्न तबके ने नहीं की थी। 31 दिसंबर को देश भर के डिलीवरी करने वाले गिग वर्कर्स हड़ताल पर उतर आए। इसका मतलब यह हुआ कि स्विगी, जोमैटो, जेप्टो, ब्लिंकिट, अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसी कंपनियों से जुड़े हजारों डिलीवरी पार्टनर्स ने बुधवार को ऐप बंद करके काम रोका, जबकि यह दिन उनके लिए काम के लिहाज से सबसे व्यस्ततम दिनों में से एक होता है। कुछ साल पहले तक पड़ोस के परचून की दुकान वाला घर पहुंच सेवा दिया करता था। हालांकि उसमें कोई समयसीमा नहीं होती थी, फिर भी बुर्जुगों, अकेले रहने वालों या अन्य तरह से जरूरतमंदों के लिए यह बड़ी सुविधा होती थी।

इसी चलन को मोबाइल ऐप्स पर आधारित कर एक नए किस्म का व्यवसाय खड़ा कर दिया गया। घर बैठे 10 मिनट में सारी चीजें मिलने लगीं, मानो कोई चिराग का जिन्न हो, जो आदेश देते ही उसे पूरा कर दे। पलक झपकते ही इच्छा पूरी होने वाली बात मुहावरे तक सीमित नहीं रही, उसे गिग वर्कर्स ने सच कर दिखाया। हालांकि इसमें उनके लिए जो खतरे बढ़े, उसे पहचानते हुए भी दूर करने की पहल नहीं की गई। इसलिए अब उन्हें हड़ताल पर उतरना पड़ा है। यह हड़ताल तेलंगाना गिग एंड प्लेटफॉर्म वर्कर्स यूनियन यानी टीजीपीडब्ल्यूयू और इंडियन फेडरेशन ऑफ ऐप-बेस्ड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स यानी आईएफ़एटी के बैनर तले की गई। आईएफ़एटी ने केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया को लिखे एक ख़त में 10 मिनट की असुरक्षित डिलीवरी व्यवस्था पर रोक लगाने, सही मजदूरी देने, हाल ही में लागू नए श्रम कानूनों के तहत कंपनियों को नियमों में लाने और यूनियन बनाने तथा मोल-भाव करने के अधिकार को मान्यता देने की मांग की है।

टीजीपीडब्ल्यूयू के नेता शेख सलाउद्दीन का कहना है कि प्लेटफॉर्म कंपनियां '10 मिनट डिलीवरी' का विकल्प पूरी तरह हटा दें, क्योंकि इससे कर्मचारियों पर बहुत दबाव पड़ता है और दुर्घटनाएं बढ़ती हैं। इसके साथ ही, पुरानी भुगतान व्यवस्था बहाल की जाए, जिसमें त्योहारों जैसे दशहरा, दीवाली और बकरीद पर अच्छा वेतन और भत्ता मिलता था।

गौरतलब है कि इस साल की शुरुआत में सरकार ने सोशल सिक्योरिटी कोड को लागू किया, जिससे गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को पहली बार एक औपचारिक सुरक्षा व्यवस्था के दायरे में लाया गया। इससे इन कर्मचारियों का एक राष्ट्रीय डेटाबेस पर रजिस्ट्रेशन हो सकेगा और वे स्वास्थ्य, विकलांगता, दुर्घटना बीमा और बुढ़ापे की सहायता जैसी योजनाओं का फायदा उठा सकेंगे। इसका मक़सद लाखों कर्मचारियों को उनकी गैर-परंपरागत नौकरी के बावजूद बुनियादी सुरक्षा देना है। सोशल सिक्योरिटी कोड, 2020 के तहत, पहली बार 'गिग वर्कर्स', 'प्लेटफॉर्म वर्कर्स' और 'एग्रीगेटर्स' कंपनियों की परिभाषा दी गई है। इस कोड में गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए एक सोशल सिक्योरिटी फंड बनाने की योजना है, जिसमें केंद्र और राज्य सरकारें, कंपनियों की सामाजिक जिम्मेदारी की राशि, जुर्माने आदि से पैसा आएगा। ये सारे प्रावधान सुनने में अच्छे लगते हैं, लेकिन जमीन पर ये कितने उतरे हैं, इसकी हकीकत साल के आखिरी दिन हुई हड़ताल ने जाहिर कर दी। नीति आयोग की 2022 की रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2020 में भारत में लगभग 77 लाख गिग वर्कर्स थे, जिनकी संख्या 2030 तक बढ़कर 2.35 करोड़ होने का अनुमान है। गिग अर्थव्यवस्था में युवाओं (16 से 23 वर्ष आयु वर्ग) की भागीदारी 2019 से 2022 के बीच आठ गुना बढ़ी है। ये आंकड़े बता रहे हैं कि स्थायी रोजगार न मिलने की वजह से युवा वर्ग डिलीवरी का काम करने पर मजबूर है।

उसकी मजबूरी का फायदा कंपनियां उठा रही हैं। शेख़ सलाउद्दीन कहते हैं, डिलीवरी करने वाले वर्कर्स की फीस को दिन ब दिन कम किया जा रहा है। प्रति ऑर्डर पहले 80 रुपये फिर 60 रुपये और अब 10 रुपये 20 रुपये, 15 रुपये तक दे रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हम बातचीत के लिए तैयार हैं, लेकिन कंपनियां हमें धमकी दे रही हैं। वेयरहाउस के पास बाउंसर तैनात किए जा रहे हैं और कर्मचारियों के आईडी ब्लॉक किए जा रहे हैं। अब सवाल ये है कि क्या इन कंपनियों को सरकार का बिलकुल खौफ नहीं है, जो वो डिलीवरी करने वाले कर्मियों के वेतन मनमाने तरीके से कम कर रही है, और उन्हें मजबूर कर रही है कि वो काम करें। क्या श्रम मंत्रालय भी इस इंतजार में था कि गिग वर्कर्स अपनी मांगों को सामने रखने के लिए हड़ताल करें, तब उन्हें सुना जाएगा। इस काम में जुड़े 70-80 लाख लोग अगर अपनी आजीविका और अपनी जिंदगी की सुरक्षा को लेकर परेशान हैं, तो सरकार को इस बारे में पता क्यों नहीं चला।

ऐसा नहीं है कि पहली बार ये हड़ताल हुई है। पिछले हफ्ते यानी 25 दिसंबर को भी ऐसी ही हड़ताल हुई थी, जिसमें पूरे देश से करीब 40 हजार कर्मचारी शामिल हुए थे, और 31 तारीख की हड़ताल में 1.5 लाख से ज्यादा कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। उनकी मांगे थीं कि एल्गोरिदम से कंट्रोल होने वाली सिस्टम में पारदर्शिता लाई जाए। सही इंसेंटिव दिए जाएं। शिकायत निवारण की अच्छी व्यवस्था हो। हेल्थ इंश्योरेंस, एक्सीडेंट कवर और पेंशन जैसी सोशल सिक्योरिटी मिले। महिलाओं के लिए सुरक्षित कामकाज, मेटर्निटी लीव और इमरजेंसी लीव हो। प्रति किलोमीटर कम से कम 20 रुपये की न्यूनतम दर हो और मनमाने तरीके से आईडी ब्लॉक करना बंद हो। कर्मचारियों ने अपील की है कि, इस मामले 'सरकार को तुरंत दखल देना चाहिए। सरकार प्लेटफ़ॉर्म कंपनियों को रेगुलेट करें, मज़दूरों के उत्पीड़न को रोकें और सही मज़दूरी, सुरक्षा और सोशल प्रोटेक्शन पक्का करे। गिग इकॉनमी मज़दूरों के टूटे हुए शरीर और खामोश आवाज़ों पर नहीं बनाई जा सकती। गिग वर्कर्स ने पूरी स्पष्टता के साथ अपनी मांगें सामने रखीं हैं, अब देखना होगा कि सरकार इस पर कोई कार्रवाई करती है या इस पर लीपापोती करती है।

कर्म बांधता है धर्म मुक्त करता है

कर्म बहुत जरूरी है। यहां तक कि अगर आप चाहें तो भी कर्म करने से खुद को रोक नहीं सकते। कर्म से मतलब सिर्फ शारीरिक क्रिया से ही नहीं है। आप शरीर से कर्म करते हैं, मन से कर्म करते हैं, अपनी भावना से कर्म करते हैं, यहां तक कि आप अपनी ऊर्जा के स्तर पर भी कर्म करते हैं। हर वक्त आप शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक क्रियाएं करते रहते हैं।

कर्म अनिवार्य है। किसी भी हालत में कर्म तो आपको करना ही है, चाहे आप आराम ही क्यों न कर रहे हों। आराम के दौरान भी आप अपने मन या भावना में कुछ न कुछ कर ही रहे होते हैं।

धर्मकर्म

क्या आपको लगता है कि आपके भीतर कर्म न करने की क्षमता है? चाहे कर्म करने की आपकी इच्छा हो या न हो, आप किसी न किसी रूप में कर्म कर ही रहे होते हैं। लेकिन होता यह है कि लोग पूरे दिन जो भी काम करते हैं, उनमें से ज्यादातर कर्म फल की इच्छा द्वारा संचालित होते हैं। आमतौर पर लोगों के मन में बड़े पैमाने पर यही चल रहा होता है कि वे जो कुछ भी कर रहे हैं, उससे उन्हें क्या मिलेगा। कृष्ण इस श्लोक में कह रहे हैं कि इस तरह से जीना व्यर्थ है, क्योंकि अगर आप परिणाम को ध्यान में रखकर कोई भी काम करते हैं, तो वह क्रियाकलाप आपका कर्म बन जाता है और आपके बंधन का कारण बनता है। दूसरी तरफ यदि आप अपने लाभ के बारे में सोचे बिना कोई काम कर रहे हैं यानी आप उसे सिर्फ इसलिए कर रहे हैं क्योंकि उसे किए जाने की जरूरत है, तो ऐसी स्थिति में वही क्रियाकलाप धर्म बन जाता है। यहां धर्म का मतलब कर्तव्य समझा जाता है, हालांकि यह पूरी तरह से कर्तव्य नहीं है। क्योंकि कर्तव्य शब्द अपने आप में बहुत सीमित है, जबकि धर्म, कर्तव्य से कहीं ज्यादा व्यापक अर्थ रखता है। धर्म और कर्म में केवल एक ही अंतर है। धर्म मुक्त करता है, जबकि कर्म बंधन पैदा करता है। तो कर्म तो अनिवार्य है। किसी भी हालत में कर्म तो आपको करना ही है, चाहे आप आराम ही क्यों न कर रहे हों। आराम के दौरान भी आप अपने मन या भावना में कुछ न कुछ कर ही रहे होते हैं। अब यह आपको देखना है कि आप अपने आपको उलझाने के लिए कर्म कर रहे हैं या मुक्त करने के लिए? यहां कृष्ण आपको एक आसान सी युक्ति दे रहे हैं जिससे आप अपनी छोटी-मोटी गतिविधियों का इस्तेमाल भी अपनी मुक्ति के लिए कर सकते हैं।

आज का इतिहास

1735 - अलेक्जेंडर पोप की कविता एपेलल को 'डॉ अरबथनोट' को लंदन में प्रकाशित किया गया।
1757 - राबर्ट क्लाइव ने नवाब सिराजुद्दौला से कलकत्ता (अब कोलकाता) को वापस छीना।
1757 - ब्रिटेन ने कलकत्ता पर (सात साल के युद्ध में लड़ाई के बाद) कब्जा किया।
1777 - अमेरिकी क्रांतिकारी युद्धः जॉर्ज वॉशिंगटन की कमान के तहत अमेरिकी बलों ने ट्रेंटन, न्यू जर्सी के पास असुनपिंक क्रीक की लड़ाई में एक ब्रिटिश हमले को दोहराया।
1815 - लॉर्ड बियरन ने ऐनी इसाबेला मिलबैंक से सेअहम काउंटी डरहम में शादी रचाई।
1819 - 1819 का आतंक, संयुक्त राज्य अमेरिका में पहली बार बड़ी शांति वित्तीय संकट शुरूआत हुई।
1839 - फ्रांसीसी फोटोग्राफर लुई दागुएरे ने चांद की पहली फोटो प्रदर्शित की।
1839 - फ्रांसीसी छायाकार लुइस डगरे ने पहली बार चाँद का चित्र खींचा।
1843 - डाक सेवा, नियमित रुप से आंरभ हुई और ऑस्ट्रिया की राजधानी वियेना में पहली पत्र पेटिका लगाई गयी।
1882 - लंदन में दुनिया का पहला कोयला आधारित बिजली उत्पादक स्टेशन होलबोर्न व्यदक्त पावर स्टेशन शुरू किया गया।
1890 - ऐलिस सेंगर व्हाइट हाउस में पहली महिला कर्मचारी बनी।
1900 - अमेरिकी विदेश मंत्री जॉन हे ने चीन के साथ अमेरिकी व्यापार को बढ़ावा देने के लिए ओपन डोर नीति की घोषणा की।
1917 - रॉयल बैंक ऑफ कनाडा ने क्यूबेक बैंक का अधिग्रहण किया।
1920 - आईजेक आसीमोफ़ नामक रुसी लेखक व रसायन शास्त्री का जन्म हुआ।
1920 - अमेरिकी अटॉर्नी जनरल ए मिशेल पामर के नेतृत्व में, न्याय एजेंटों के विभाग ने 23 राज्यों में 30 शहरों में कट्टरपंथी वामपंथियों और अराजकतावादियों के खिलाफ छापे की एक श्रृंखला शुरू की।

बांग्लादेश में 2026 के चुनावों के नतीजों पर निर्भर है क्षेत्रीय सुरक्षा

-आशीष विश्वास-

घरेलू राजनीति में भी, भारत अपनी संघर्षरत अर्थव्यवस्था, बढ़ती बेरोजग़ारी और अमीर-गरीब के बीच चिंताजनक खाई जैसी गंभीर समस्याओं के बावजूद, सामाजिक विकास के मामले में पाकिस्तान या बांग्लादेश दोनों से बेहतर स्थिति में दिखता है। दिल्ली के विपरीत, इस्लामाबाद आने वाले सालों में बीजिंग और वाशिंगटन पर निर्भर रहेगा।

दक्षिण एशियाई संदर्भ में, बांग्लादेश में हिंसक सत्ता परिवर्तन, भारत और पाकिस्तान के बीच एक संक्षिप्त टकराव और पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच छिटपुट झड़पों के बाद, चारों देशों के बीच राजनयिक बातचीत में एक उल्लेखनीय कड़वाहट आई है। क्षेत्र में धीरे-धीरे एक नया राजनीतिक गठबंधन उभर रहा है, जिसकी रूपरेखा बांग्लादेश के आम चुनावों के बाद और स्पष्ट होगी। यह देखना बाकी है कि 2026 में बांग्लादेश में एक नई, चुनी हुई सरकार द्वारा सत्ता संभालने से दक्षिण एशिया में स्थायी राजनीतिक स्थिरता और लोकतांत्रिक ताकतों का एकीकरण होगा या नहीं। बहुत कुछ उभरते हुए पाक-अफगान संघर्ष के समाधान और पाकिस्तान के भीतर बलूच स्वतंत्रता संघर्ष पर निर्भर करेगा।

चूंकि उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान-मध्य एशिया क्षेत्र लंबे समय से ऐतिहासिक संघर्ष और कई युद्धरत जनजातियों और प्रमुख विदेशी शक्तियों से जुड़े सत्ता संघर्षों का गवाह रहा है, इसलिए भविष्य की शांति या स्थिरता के बारे में किसी निश्चित निष्कर्ष पर पहुंचने में जल्दबाजी करना उचित नहीं हो सकता है। जहां तक भारत का सवाल है, भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया विवाद एक अधूरा मामला बना हुआ है।

इस पृष्ठभूमि को देखते हुए, भारत और बांग्लादेश के बीच मानवाधिकारों के उल्लंघन के अपने-अपने खराब रिकॉर्ड के बारे में बयानों का मौजूदा कड़वा आदान-प्रदान जारी रहने की उम्मीद की जा सकती है। द्विपक्षीय भारत-बांग्ला संबंधों को प्रभावित करने वाले तनावों की अधिक जिम्मेदारी बांग्लादेश की है। इसके नए गैर-निर्वाचित शासक वर्ग ने, जो स्पष्ट रूप से एक अंतरिम प्राधिकरण के रूप में अपनी सीमाओं से अनजान है, यहां तक कि भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के अलगाव को बढ़ावा देने के लिए चीन में एक भड़काऊ अभियान भी शुरू किया। चूंकि इस मामले पर चीन की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई, और न ही भारतीय पूर्वोत्तर राज्यों ने खुद कोई दिलचस्पी दिखाई, इसलिए बांग्लादेश के अपेक्षाकृत मोटी चमड़ी वाले अस्थायी नेता भी चुप हो गए हैं। यूनुस के नेतृत्व वाली सरकार की चीन को भारत के खिलाफ इस्तेमाल करने की घोर राजनयिक विफलता के कारण बांग्लादेश के भीतर ही स्थापित राजनीतिक दलों से उपहासपूर्ण टिप्पणियां हुईं। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के वरिष्ठ नेताओं ने एक प्रेस बयान में डॉ. यूनुस को याद दिलाया कि कुछ अलिखित परंपराएं और दिशानिर्देश हैं जिनका किसी भी सरकार-से-सरकार बातचीत में किसी भी पक्ष द्वारा उल्लंघन नहीं किया जाना चाहिए। ऐसा नहीं है कि इस सार्वजनिक फटकार से डॉ. यूनुस के काम करने के तरीके में कोई खास फर्क पड़ा हो। जैसे ही नया साल शुरू हो रहा है, इस क्षेत्र के बड़े देश खुद को एक गंभीर राजनीतिक उथल-पुथल से प्रभावित पाते हैं, जो मौजूदा क्षेत्रीय नेताओं में सामूहिक समझदारी की कमी के कारण, भविष्य की पीढ़ियों को शांति और व्यवस्था की तलाश में सालों तक उलझाए रख सकती है।

भारत, जो खुद को अपने पूर्व और पश्चिम में तीन दुश्मन पड़ोसियों से निपटने के लिए संघर्ष करता हुआ पा रहा है। चीन और पाकिस्तान के साथ संबंध पहले की तरह ही तनावपूर्ण बने हुए हैं। अब बांग्लादेश भी उनके साथ शामिल होने को उत्सुक दिख रहा है। बहुत कम पर्यवेक्षक बांग्लादेश द्वारा घोषित विदेश संबंधों पर आधिकारिक रुख को मानते हैं कि यह दक्षिण एशिया और उससे आगे अपने राजनयिक पहुंच का विस्तार करने की कोशिश करेगा, विदेश नीति के मामलों में अपनी पिछली भारत-केंद्रित नीति को उलट देगा। भारत के लिए बहुत अधिक सकारात्मक तत्व नहीं हैं जिनकी वह उम्मीद कर सकता है, सिवाय चीन के साथ तनाव में थोड़ी ढील की संभावना के, जो ब्रिक्स फोरम में उनकी सदस्यता के कारण है। साथ ही, अगर आम चुनावों में जमात-ए-इस्लामी और उसके सहयोगी सत्ता हासिल करने में विफल रहते हैं, तो मध्यम अवधि में भारत-बांग्लादेश द्विपक्षीय संबंधों में कुछ सुधार की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है।

हालांकि, भारत ने अपने 'निकट पश्चिम' पड़ोस में कूटनीति और प्रभाव के मामले में कुछ फायदे सुनिश्चित किए होंगे। अफगानिस्तान में सत्तारूढ़ तालिबान सरकार के साथ अच्छे संबंध स्थापित करके, भारत ने बांग्लादेश के साथ अपनी नई दोस्ती से पाकिस्तान को मिलने वाले अधिकांश फायदों को प्रभावी ढंग से बेअसर कर दिया है। घरेलू राजनीति में भी, भारत अपनी संघर्षरत अर्थव्यवस्था, बढ़ती बेरोजग़ारी और अमीर-गरीब के बीच चिंताजनक खाई जैसी गंभीर समस्याओं के बावजूद, सामाजिक विकास के मामले में पाकिस्तान या बांग्लादेश दोनों से बेहतर स्थिति में दिखता है। दिल्ली के विपरीत, इस्लामाबाद आने वाले सालों में बीजिंग और वाशिंगटन पर निर्भर रहेगा। इसकी अर्थव्यवस्था बद से बदतर हो गई है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक आतंक प्रायोजक के रूप में इसकी छवि पहले की तरह ही नकारात्मक बनी हुई है। यह इसकी आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बड़ी बाधा है। जहां तक बांग्लादेश की बात है, डॉ. यूनुस ने विभिन्न पश्चिमी वित्तीय बैंकों और संस्थानों से कुछ राहत हासिल करके वित्तीय रूप से कुछ राहत पाई है। लेकिन ढाका को बढ़ती दोहरे अंकों वाली महंगाई को नियंत्रित करना बेहद मुश्किल लग रहा है, जो पहले से ही इस क्षेत्र में सबसे ज़्यादा है। औसत बांग्लादेशी नागरिकों के लिए, बुनियादी चिकित्सा खर्च और बुजुर्गों के लिए ज़रूरी इलाज की लागत में काफी बढ़ोतरी हुई है। युवा पीढ़ी पर इसका बुरा असर पड़ा है क्योंकि छात्रवृत्ति और अन्य सुविधाएं जो दिल्ली ने बांग्लादेशियों को भारत के जाने-माने संस्थानों में रहने के लिए दी थीं, वे अब पहले जैसी उपलब्ध नहीं होंगी। कोलकाता के अर्थशास्त्री शौनाक मुखर्जी के अनुसार, 'किसी भी आसान कॉस्ट-बेनिफिट एनालिसिस से पता चलता है कि भारत द्वारा पहले दी गई सुविधाओं को वापस लेने से बांग्लादेश को बहुत ज़्यादा नुकसान होगा।'

यहां तक कि रणनीतिक तौर पर भी, बांग्लादेश को अब दो ऐसे पड़ोसी देशों से निपटना होगा जो दुश्मन न सही, लेकिन दोस्त भी नहीं हैं। वे हैं म्यांमार और भारत, जो इसे उत्तर, पश्चिम और दक्षिण दिशा से घेरे हुए हैं। पहले उसे सिर्फ म्यांमार से निपटना पड़ता था। जैसा कि पहले बताया गया है, फरवरी 2026 के चुनावों का नतीजा कई वजहों से पूरे दक्षिण एशिया के लिए महत्वपूर्ण होगा। अभी के लिए, बीएनपीके नेतृत्व वाले गठबंधन की जीत भारत के हितों के लिए ज़्यादा फायदेमंद हो सकती है, क्योंकि अब अवामी लीग पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@gmail. Com

भारत जैसे युवा देश के लिए एआई सकारात्मक बदलाव का बड़ा अवसर: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आज पूरी दुनिया में अर्थव्यवस्था और समाज को नई दिशा दे रही है। यह हमारे सीखने, काम करने, आधुनिक सेवाओं तक पहुंच और मानवता की बड़ी चुनौतियों से निपटने के तरीकों को तेजी से बदल रहा है। भारत जैसे युवा देश के लिए एआई केवल तकनीक नहीं बल्कि सकारात्मक बदलाव का बड़ा अवसर है। राष्ट्रपति आज राष्ट्रपति भवन के सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित विशेष कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं।

इस अवसर पर उन्होंने युवाओं को भविष्य की एआई प्रवीणता से जोड़ने के उद्देश्य से राष्ट्रीय जागरूकता अभियान 'स्किल द नेशन चैलेंज' का शुभारंभ किया। इसके साथ ही उन्होंने वर्चुअल माध्यम से ओडिशा के रायरांगपुर में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के क्षेत्रीय केंद्र और कौशल केंद्र का उद्घाटन भी किया। इस अवसर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत का दृष्टिकोण हमेशा से यह रहा है कि तकनीक लोगों को सशक्त बनाए, समावेशी हो और सभी के लिए अवसर पैदा करे। एआई का उपयोग सामाजिक, आर्थिक और तकनीकी खाइयों को पाटने के लिए किया जाना चाहिए। यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि इसके लाभ हर वर्ग, हर उम्र और खासकर हाशिये पर खड़े समुदायों तक पहुंचे।'

उन्होंने यह देखकर प्रसन्नता व्यक्त की कि छात्र खुद को संभावनाओं और अवसरों से भरे भविष्य के लिए तैयार कर रहे हैं। राष्ट्रपति ने छात्रों से आग्रह किया कि वे यह याद रखें कि तकनीक, ज्ञान और कौशल का उपयोग समाज की सेवा, समस्याओं के समाधान और दूसरों को सशक्त बनाने के लिए होना चाहिए। उन्होंने उन संसद सदस्यों की भी सराहना की जिन्होंने एआई लर्निंग मॉड्यूल पूरे किए हैं और कहा कि उभरती तकनीकों को स्वयं सीखकर उन्होंने नेतृत्व का प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि `आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण ग्रोथ ड्राइवर के रूप में उभर रहा है। भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है और आने वाले दशक में एआई देश की जीडीपी, रोजगार सृजन और कुल उत्पादकता में अहम भूमिका निभाएगा।' उन्होंने कहा कि `डेटा साइंस, एआई इंजीनियरिंग और डेटा एनालिटिक्स जैसे कौशल भारत के एआई टैलेंट पूल को मजबूत करने में प्रभावी साबित होंगे।' उन्होंने बताया कि सरकार विभिन्न संस्थानों, उद्योग जगत और अकादमिक क्षेत्र के साथ मिलकर यह सुनिश्चित कर रही है कि भारत न केवल तकनीक को अपनाए, बल्कि उसके माध्यम से एक जिम्मेदार और समावेशी भविष्य भी गढ़े।

राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप भारत को ज्ञान महाशक्ति बनाने और तकनीक आधारित, समृद्ध व समावेशी राष्ट्र के निर्माण के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया। राष्ट्रपति ने कहा कि डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के साथ-साथ भारत को एआई के क्षेत्र में वैश्विक नेता बनाने के लिए इंडिया एआई मिशन चलाया जा रहा है।' उन्होंने कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय की स्किलिंग फॉर एआई रेडिनेस (एसओएआर) पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे एआई के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और आर्थिक आत्मनिर्भरता को बल मिलेगा।

स्किल द नेशन चैलेंज के शुभारंभ पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि यह पहल बड़े पैमाने पर एआई लर्निंग और इनोवेशन में भागीदारी को प्रोत्साहित करेगी और लाखों शिक्षार्थियों को भविष्य के लिए तैयार करेगी। उन्होंने एआई प्रमाणपत्र प्राप्त करने वाले सांसदों और बच्चों को बधाई भी दी।

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का उद्घाटन इसी माह

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे के वंदे भारत ट्रेन सेट का स्लीपर संस्करण बन कर तैयार हो गया है और इसका उद्घाटन इसी माह होगा।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को यहां घोषणा की कि इस माह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुवाहाटी और हावड़ा के बीच इस ट्रेन का उद्घाटन करेंगे। उन्होंने कहा कि यह ट्रेन दोनों दिशाओं में शाम को चल कर अगले दिन एकदम सुबह गंतव्य स्थान पर पहुंच जाएगी। इस 16 कोच वाली ट्रेन में 11 कोच एसी-3 के, 4 कोच एसी-2 और एक कोच एसी-1 के होंगे। ट्रेन में कुल 823 यात्रियों की क्षमता होगी। एक एसी-3 कोच में 56, एक एसी-2 में 47 और एसी-1 में 24 यात्री सवार हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि गुवाहाटी से चलने वाली गाड़ी में असमिया भोजन और कोलकाता (हावड़ा) से चलने वाली गाड़ी में बंगाली खाना परोसा जाएगा। खाने के लिए नये स्थानीय वेंडरों को अनुबंधित किया जाएगा। इस गाड़ी में कंबल, चादर तकिये आदि की तकनीक आधारित धुलाई एवं सफाई की विशिष्ट व्यस्था की गई है।

रेल मंत्री ने कहा कि कोलकाता और गुवाहाटी के बीच एसी-3 का किराया करीब 2300 रुपये (भोजन सहित), एसी-2 का किराया लगभग 3000 रुपये और एसी-1 का किराया 3600 रुपये होगा। उन्होंने कहा कि वंदे भारत स्लीपर का किराया स्थिर रहेगा। इसमें किराया तय करने का नया फार्मूला तय किया गया है। एसी-3 में प्रति किलोमीटर 2.40 रुपये, एसी2 में 3.10 रुपये और एसी-1 में 3.80 रुपये का किराया होगा। उन्होंने कहा कि स्लीपर ट्रेन के डिजाइन में सेंटर ऑफ ग्रैविटी एक अहम तकनीकी चुनौती होती है, क्योंकि स्लीपर कोच में यह ऊपर चला जाता है। इसी कारण स्लीपर वर्जन का डिजाइन चेयरकार की तुलना में अधिक जटिल होता है। मिडिल बर्थ पर चढ़ने को आरामदायक बनाने के लिए कई परीक्षण किए गए हैं। मंत्री का दावा है कि वंदे भारत स्लीपर का राइड कंफर्ट दुनिया की किसी भी ट्रेन से बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि ट्रेन में आधुनिक डिसइन्फेक्टेंट तकनीक लगाई गई है, जिससे हवा में मौजूद 99.99 प्रतिशत वायरस और बैक्टीरिया नष्ट हो जाएंगे। यह सुविधा वंदे भारत चेयरकार ट्रेनों में भी उपलब्ध है।

मंत्री ने बताया कि यह ट्रेन 'कवच' सुरक्षा प्रणाली, इमरजेंसी टॉक-बैक सिस्टम और अन्य अत्याधुनिक सुरक्षा सुविधाओं से लैस होगी। बोगियों को पूरी तरह नए डिजाइन के साथ तैयार किया गया है। ट्रेन में दिव्यांगजनों के लिए विशेष सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। रेल मंत्री ने कहा कि सभी सांसद चाहते हैं कि उनके क्षेत्रों में वंदे भारत ट्रेन चले और यह ट्रेन पूर्वोत्तर तथा पूर्वी भारत के बीच कनेक्टिविटी को और मजबूत करेगी। उल्लेखनीय है कि काफी समय से वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की मांग की जा रही थी, क्योंकि अभी तक चल रही वंदे भारत ट्रेनों में स्लीपर कोच नहीं थे। इस नई ट्रेन के शुरू होने से आम यात्रियों के लिए लंबी दूरी की यात्रा और अधिक सुगम होगी।

भारत-नेपाल सीमा पर तीन बांग्लादेशी समेत 4 गिरफ्तार

मोतिहार। बिहार में पूर्वी चंपारण जिले के रक्सौल स्थित भारत-नेपाल सीमा पर सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने चार संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। इनमें तीन बांग्लादेशी नागरिक है। जबकि चौथा युवक इनके सहयोगी भारतीय नागरिक है। जो उन्हें सीमा पार कराने में मदद कर रहा था। एसएसबी के अधिकारियो के अनुसार गुप्त सूचना मिली थी,कि भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में कुछ संदिग्ध लोग मौजूद है,जो सीमा पार करने के फिराक में है। सूचना के आलोक में एसएसबी के जवानों ने संभावित इलाकों की घेराबंदी करते हुए इन चारों संदिग्धों को हिरासत में ले लिया,और पूछताछ शुरू की गई तो यह सामने आया कि पकड़े गए चार में से तीन बांग्लादेशी नागरिक हैं,जबकि एक भारतीय युवक है। पकड़े गए बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान मोहम्मद शाहिनुर पिता बिलाल हुसैन, लाशिकपुर चौगछा बांग्लादेश,मोहम्मद सोबुज पिता अब्दुल मुनाफ,उत्तार चारमोगाल चौगछा बांग्लादेश,और मोहम्मद फिरोज,पिता मो. मुजामिल मथबरी मोरेलगंज बर्गेहत बांग्लादेश के रूप में की गई है। जबकि सीमा पार में सहयोग करने वाला भारतीय युवक की पहचान मोहम्मद सरफराज अंसारी,पिता एजाज अंसारी,मोहना थाना चनपटिया जिला पश्चिम चंपारण के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान इनके पास से 2000 भारतीय,33020 नेपाली,1000 बांग्लादेशी रूपये 2 अमेरकी डॉलर,4 मोबाइल व 3 बांग्लादेशी पासपोर्ट मिले है।पूछताछ के बाद सभी को आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित सुरक्षा एजेंसियों को सौंप दिया गया है।अब सुरक्षा एजेंसी इनसे गहन पूछताछ कर उनके अवैध तरीके सीमा पार करने के उद्देश्य के संदर्भ जानकारी जुटाने में लगी है।

नेपाल पुलिस की गोली से कारोबारी की मौत, भड़की हिंसा

अररिया। नया साल के पहले दिन अररिया के बेला गांव की सीमा से लगे नेपाल के सुनसरी जिला के कोसी गांव पालिका में दिनभर पुलिस और ग्रामीणों के बीच हिंसक मुठभेड़ होती रही। जिसके कारण नेपाल का प्रमुख पूर्व पश्चिम राजमार्ग लौकही के पास जाम रहा और लोग सड़क पर प्रदर्शन करते रहे। फलस्वरूप सड़क पर आवागमन बिल्कुल ठप्प हो गया और नेपाल की वादियों में नया साल का पहला दिन सेलिब्रेट करने के लिए सैकड़ों भारतीय गाड़ी फंस गए।

आक्रोशित प्रदर्शनकारियों ने नेपाल आर्म्स पुलिस के पुलिस चौकी को आग के हवाले कर दिया। जिला पुलिस कार्यालय सुनसरी के आसपास भारी संख्या में पुलिस बलों की तैनाती कर दी गई है।नेपाल पुलिस की ओर से जहां प्रदर्शन कर रहे लोगों पर आंसु गैस के गोले दागे गए।वहीं प्रदर्शनकारियों ने नेपाल पुलिस पर बोतल वाले पेट्रोल बम से हमला किया गया।जिसमें दर्जनों नेपाल आर्म्स फोर्स के जवानों के घायल होने की जानकारी मिली है। भारत नेपाल सीमा पर अवस्थित बॉर्डर आउट पोस्ट को भी प्रदर्शनकारियों ने नुकसान पहुंचाया है। दरअसल बीती रात करीबन एक बजे भारत से नेपाल तस्करी कर समानों को एक कारोबारी सिटी सफारी गाड़ी से लेकर जा रहे थे।जिसे नेपाल सशस्त्र पुलिस बलों के जवानों ने रोका तो वे भागने लगे।जिस पर नेपाल सशस्त्र पुलिस बल के जवानों ने फायरिंग कर दी और कारोबारी 45 वर्षीय विजय साह की मौत हो गई। विजय साह भारत से सात बोरा चीनी, खैनी, सर्फ, चॉकलेट लेकर जा रहे थे।सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने उन्हें रोकने की कोशिश की।

लेकिन वे गाड़ी लेकर भागने लगे। जानकारी के अनुसार,कारोबारी के आगे चल रहे ई रिक्शा पर सवार अन्य लोगों ने नेपाल सशस्त्र बल के जवानों पर दो राउंड फायरिंग कर दी।जिसके बाद सशस्त्र बल के जवानों ने जवाबी फायरिंग की और कारोबारी विजय साह की गोली लगने से मौत हो गई। कारोबारी विजय साह को चार गोली लगने की बात कही जा रही है।इसी घटना से नेपाल के सुनसरी जिला के लौकही के लोग आक्रोशित हो उठे और सुबह से ही कोसी राजमार्ग को रोक दिया और सड़क पर शव रखकर प्रदर्शन करने लगे। फलस्वरूप नव वर्ष सेलिब्रेशन को गए दर्जनों गाड़ियों को प्रदर्शनकारियों ने रोक दिया। नेपाल सशस्त्र पुलिस बल कोशी प्रदेश के प्रमुख डीआईजी कुमार न्यौपाने के अनुसार,जवाबी हमले में नेपाल सशस्त्र पुलिस बल के जवानों के द्वारा गोली चलाई गई। लेकिन प्रदर्शनकारी पुलिस के इन दावों को मानने को तैयार नहीं हैं और उनका कहना है कि यह दोहरी भिड़ंत नहीं है,बल्कि सीधा हमला है और गोली मारकर कारोबारी की हत्या की गई है।

स्थानीय लोगों का मानना है कि तस्करी के समान को पार करने के एवज में पुलिस को कम पैसा देने के कारण हुए विवाद में गोली मारी गई है। सुनसरी जिला पुलिस कार्यालय के प्रवक्ता डीएसपी चन्द्र खड़का ने बताया कि घटनास्थल से दो राउंड खोखे बरामद किए गए हैं। सूचना मिली कि कारोबारी को चार गोली मारी गई,लेकिन यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि कितनी गोली मारी गई है। उन्होंने बताया कि घटनास्थल पर सुनसरी के एसपी खुद कैंप कर रहे हैं।

घटना में कितनी राउंड फायरिंग की गई,इसको बताने को लेकर उन्होंने असमर्थता जताई। घटना से आक्रोशित प्रदर्शनकारी सुबह से ही पूर्व पश्चिम राजमार्ग को लौकही के समीप जाम कर दिया है।कारोबारी के शव और सिटी सफारी को सड़क पर रखकर दिनभर नारेबाजी करते रहे। प्रदर्शन के कारण सैकड़ों गाड़ियों को बीच रास्ते में ही रोक दिया गया है। स्थानीय प्रदर्शनकारियों ने पुलिस चौकी अर्थात पुलिस बिट को आग के हवाले कर दिया। जिसके बाद जिला पुलिस कार्यालय सुनसरी से भारी संख्या में पुलिस बलों की तैनाती कर दी गई है। नेपाल पुलिस और प्रदर्शनकारी आमने सामने रहे और दोनों ओर से पथराव, आंसु गैस के गोले पेट्रोल बम एक दूसरे पर फेंके गए।जिनमें कई पुलिसकर्मियों की साथ आम नागरिक के भी घायल होने की बात कही जा रही है।

ठाणे में 2.04 करोड़ रुपये का गांजा बरामद, एक गिरफ्तार

ठाणे। ठाणे अपराध शाखा ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर कथित तौर पर 638 किलोग्राम गांजा बरामद किया जिसकी कीमत 2.04 करोड़ रुपये है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उप पुलिस आयुक्त (अपराध) अमरसिंह जाधव ने बताया कि तेलंगाना के मेहबूबनगर जिले के निवासी चिन्ना तागुर लक्ष्मण नायक (36) को 30 दिसंबर को मिली गुप्त सूचना के आधार पर खारेगांव टोल नाका के पास से पकड़ा गया। उन्होंने कहा, ₹अपराध शाखा के संपत्ति प्रकोष्ठ ने नायक की कार से 638 किलोग्राम गांजा बरामद किया, जिसकी कीमत 2.04 करोड़ रुपये है। वह ओडिशा और आंध्र प्रदेश से मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल है। उसके खिलाफ स्वापक औषधि एवं मनः प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया और उसे तीन जनवरी तक पुलिस हिरासत में भेजा गया है। जाधव ने बताया कि इस अंतर-राज्यीय तस्करी नेटवर्क से जुड़े मामले में जांच की जा रही है।

साईबर धोखाधड़ी मामले में शिकायतकर्ता को पुलिस ने वापिस दिलाए 17.50 लाख

धर्मशाला। पुलिस जिला नूरपुर के अन्तर्गत थाना ज्वाली में दर्ज साइबर धोखाधड़ी के मामले में शिकायतकर्ता को 17.50 लाख की राशि वापिस दिलाई है।

गौरतलब है कि शिकायतकर्ता शाम लाल सुपुत्र रत्न चन्द निवासी समकेहड़ डाकखाना झौन्का रतियाल तहसील ज्वाली जिला कांगड़ा की शिकायत के आधार पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ 18 लाख 73 हजार रुपये के साईबर धोखाधड़ी का मामला दर्ज करवाया था। शिकायतकर्ता ने बताया था कि उनके फोन को हैक करके साईबर ठगों द्वारा योनो ऐप के माध्यम से उक्त राशि गबन कर ली गई थी।

जिला पुलिस नूरपूर के साईबर सैल द्वारा त्वरित व पेशेवर ढंग से कार्यवाही करते हुये साक्ष्यों की गहन जांच और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर शिकायतकर्ता को पांच दिनों के भीतर गबन की गई राशि 17.50 लाख रुपये वापिस दिलाए हैं। उपरोक्त मामले में नियमानुसार आगामी कार्यवाही अमल में लाई जा रही है। उधर एसपी नूरपुर कुलभूषण वर्मा ने कहा कि लोग साईबर अपराधियों के झांसे व प्रलोभन में न आएं और न ही अपनी व्यक्तिगत जानकारी अजात व्यक्तियों के साथ सांझा करें। वहीं साईबर धोखाधड़ी होने पर तुरंत साईबर हैल्प लाईन नम्बर 1930 पर काल करें व नजदीकी पुलिस थाना/चौकी से सम्पर्क करें। साईबर धोखाधड़ी होने पर www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करवाएं।

भदोही के बंदियों ने कालीन पर उकेरा माघ मेले का लोगो

भदोही। माघ मेला प्रयागराज में जिला कारागार ज्ञानपुर, भदोही के बंदियों द्वारा निर्मित उत्कृष्ट कालीनों की विक्रय एवं प्रदर्शनी के उद्देश्य से आरक्षित वाहन को जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने गुरुवार को हरी झंडी दिखाकर प्रयागराज के लिए रवाना किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माघ मेला प्रयागराज 2026 का विशिष्ट लोगो यानी प्रतीक चिन्ह जारी किया था, जिसे हुनरमंद कैदियों ने अपने मेहनत से कालीन पर उकेरकर पर जीवंत कर किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कारागार के हुनरमंद बंदियों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न आकर्षक डिज़ाइन एवं उत्कृष्ट बुनाई वाले कालीनों का अवलोकन किया तथा उनकी मुक्त कंठ से प्रशंसा की। जिलाधिकारी ने कहा कि यह पहल बंदियों के कौशल विकास, आत्मनिर्भरता तथा पुनर्वास की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है। कारागार अधीक्षक अभिषेक सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रथम चरण में कुल 113 कालीन, विभिन्न साइज एवं आकर्षक डिज़ाइनों में तैयार कर माघ मेला प्रयागराज भेजे गए हैं। ये कालीन सेक्टर-3, परेड ग्राउंड, किला चौराहा के निकट स्थित कारागार उत्तर प्रदेश के प्रदर्शनी स्टाल पर आम जनमानस के अवलोकन एवं विक्रय हेतु उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने बताया कि इन कालीनों के विक्रय से एक ओर जहाँ बंदियों के हुनर को पहचान मिलेगी, वहीं दूसरी ओर प्राप्त आय से बंदी अपने परिवार को आर्थिक सहयोग प्रदान कर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। यह पहल बंदियों के सामाजिक पुनर्वास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कालीन निर्माण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बंदियों में लालाराम, पिंटू एवं रमेश कुमार बिंद द्वारा निर्मित कालीन अपनी बेहतरीन बुनाई, गुणवत्ता एवं आकर्षक डिज़ाइनों के कारण माघ मेला प्रयागराज 2026 में विशेष आकर्षण का केंद्र बनेंगे और मेले की शोभा में चार चाँद लगाएंगे।

सबको अपना मानना ही समरसता का पहला कदम है : भागवत

रायपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा, भेदभाव और अलगाव की भावना को मन से निकालकर सबको अपना मानना ही समरसता का पहला कदम है। वे यहां समाजों के प्रमुखों और प्रतिनिधियों के साथ एक सामाजिक सद्भावना बैठक में बोल रहे थे। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के तीन दिवसीय प्रवास के अंतिम दिन गुरुवार को संघ प्रमुख भागवत विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में शामिल हुए।

सुबह उन्होंने रायपुर के वीआईपी रोड स्थित श्रीराम मंदिर में पूजा-अर्चना की और आरती में सहभागी बने। इसके बाद उन्होंने मंदिर परिसर के सभागार में विभिन्न समाजों के प्रमुखों और प्रतिनिधियों के साथ एक सामाजिक सद्भावना बैठक की। इस दौरान संघ प्रमुख ने सामाजिक समरसता और एकजुटता पर बल दिया और विविध जाति, पंथ और समाजों के प्रतिनिधियों के साथ उन्होंने पंगत में भोजन किया। रायपुर के वीआईपी रोड स्थित श्री राम मंदिर परिसर में आयोजित सद्भावना बैठक (सामाजिक सद्भाव बैठक) में सरसंघचालक भागवत ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि भेदभाव और अलगाव की भावना को मन से निकालकर सबको अपना मानना ही समरसता का पहला कदम है।

उन्होंने कहा कि भारत में सर्वत्र लोग अपनी-अपनी आस्था और आचरण के साथ सद्भाव के कारण एक साथ रहते हैं। घर का काम करने वाले नौकर को भी उस घर के बच्चे चाचा कहते हैं, उसे पूरा सम्मान देते हैं, यह सद्भाव देश में कई वर्षों से चला आ रहा है। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश लोग स्वेच्छा से भारत से नहीं गए हैं। हमारे लोगों ने एकजुट होकर स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया। अपनी एकता और अखंडता के कुछ तंतुओं को हम भूल गए, इसलिए हमारी दृष्टि में भेद आ गया था। अंग्रेजों को हमारी एकता अच्छी नहीं लगी तो उन्होंने इसकी भी व्यवस्था कर दी और बाद में भी भारत में हमारे बीच में भेद रहे, लेकिन उनके प्रयासों को हमने समय-समय पर असफल किया। उन्होंने कहा कि अपनी-अपनी विशिष्टता के साथ आगे बढ़ने की अपने यहाँ पूर्ण स्वतंत्रता है।

दूसरे का भी सम्मान करें। जहाँ सद्भावना पक्की है वहां बिगाड़ने वालों की नहीं चलेगी। तोड़ने वाली शक्तियां असफल हों, इसके लिए हमें प्रयास करना है। कुछ न कुछ अपनी-अपनी चुनौतियाँ भी हैं । प्रत्येक समाज की आकांक्षाएं हैं। हम सब अपनी-अपनी विविधता को संभाल कर रखते आए हैं। किसी की अस्मिता समाप्त नहीं हुई। हम समाज और राष्ट्र के नाते एक हैं, उसके पीछे सामाजिक सद्भाव है। भारत में आकर भी भारत की रीति में कुछ लोग नहीं रहते हैं, इसलिए वह आक्रमण करते हैं। हम चिंतित हैं , हमें और चिंतित होना चाहिए। संघ प्रमुख ने कहा कि लव जिहाद, मतांतरण, व्यसन आदि पर प्रबोधन(जागरण) करना होगा। अकेलेपन की भावना व्यसन की ओर धकेलती है।

उन्होंने कहा कि लोगों को जाति, धन, भाषा या क्षेत्र के आधार पर नहीं आंका जाना चाहिए। व्यक्ति का मूल्यांकन उसकी जाति, भाषा या संपत्ति से नहीं, बल्कि उसके कर्मों से होना चाहिए। उन्होंने अनावश्यक और भेदभावपूर्ण रूढ़ियों को त्यागने और उन्हें आधुनिक मानकों पर परखने की आवश्यकता पर जोर दिया, जैसा कि स्वामी विवेकानंद और डॉ. आंबेडकर ने कहा था। संघ प्रमुख ने सद्भावना बैठक में अपने जीवन में सामाजिक समरसता, पारिवारिक मूल्य (कुटुंब प्रबोधन), स्वदेशी अपनाना, नागरिक अनुशासन और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी उतारने की अपील की। उन्होंने घर में मातृभाषा का उपयोग करने, भारतीय वेशभूषा का सम्मान करने और 'वोकल फॉर लोकल' (स्थानीय उत्पादों के उपयोग) का आग्रह किया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत में बोली जाने वाली सभी भाषाएं राष्ट्रीय भाषाएं हैं। भागवत ने कहा कि मंदिर, जलाशय और श्मशान घाट जैसे सार्वजनिक स्थल सभी हिंदुओं के लिए समान रूप से उपलब्ध होने चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे बीच के जो लोग दुर्बल या वंचित हैं उनके सशक्तीकरण के लिए कुछ कर सकते हैं क्या? हर बैठक में तय करके आगे बढ़ना। हम समर्थ हैं तो हमारा सामर्थ्य उनके उपयोग में आना चाहिए। हमारा पूरा समाज एक है। जाति पंथ उसके अंग है, जिस प्रकार पूरा शरीर एक है, इसी तरह हमारी पृथक आस्था व आचरण होने के बाद भी हमारी अस्मिता एक हैं। हम सभी जाति, पंथ बिरादरी मिलकर जिस क्षेत्र में निवास करते हैं उसकी उन्नति के लिए क्या कर सकते हैं, इस पर साझा विचार करना चाहिए।

नालागढ़ धमाके के कारणों की जांच को फोरेंसिक टीम ने लिए सैंपल

सोलन। जिला सोलन के तहत उपमंडल नालागढ़ में नए वर्ष 2026 का स्वागत जोरदार धमाके से हुआ जिससे क्षेत्र में दहशत फैल गई है। वीरवार की सुबह करीब 9:40 पर अचानक ही पुलिस थाने से सटी गली में जोरदार धमाका हो गया। धमाके की तीव्रता इतनी अधिक थी कि पुलिस थाने की दीवार क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि पास में स्थित आर्मी अस्पताल (ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक), मार्केट कमेटी भवन और अन्य इमारतों के शीशे टूटकर चकनाचूर हो गए।

मौके पर अफरा तफरी मच गई और आनन फानन में पुलिस कर्मी सतर्क होकर थाने से बाहर भागे और धमाके की वजह जानचने में जुट गए। गनीमत रही कि इस घटना में किसी की जान नहीं गई और ना ही कोई घायल हुआ है । आर्मी अस्पताल के मेडिकल ऑफिसर डॉ. वालिद शाह ने बताया कि वह ओपीडी में बैठे थे जब अचानक धमाके की आवाज सुनाई दी, पूरी धरती हिल गई और उनके हाथ में रखा चाय का कप छूटकर गिर गया। धमाके से अस्पताल की 9 खिड़कियों और दरवाजों के शीशे टूट गए। बद्दी के पुलिस अधीक्षक विनोद धीमान खुद मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने पूरे क्षेत्र को सील कर बैरिगेटिंग लगा दी है। फोरेंसिक टीम ने भी मौके से सैंपल एकत्रित किए हैं । पुलिस अधीक्षक विनोद धीमान ने कहा कि फोरेंसिक रिपोर्ट और सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद ही धमाके का सटीक कारण पता चलेगा। उन्होंने स्क्रैप डीलर्स को चेतावनी दी कि ऐसी खतरनाक सामग्री न रखें, जिससे जान-माल का नुकसान हो।

नववर्ष में उप्र समृद्धि, सुशासन और सर्वांगीण प्रगति के नए कीर्तिमान स्थापित करेगा: मुख्यमंत्री

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को भरोसा जताया कि राज्य 2026 में समृद्धि, सुशासन और सर्वांगीण प्रगति के नए कीर्तिमान स्थापित करेगा। विपक्षी दलों के नेता मायावती और अखिलेश यादव ने भी नववर्ष के मौके पर शुभकामनाएं दी।

आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के यशस्वी मार्गदर्शन में 'नया उत्तर प्रदेश विकसित भारत' की विकास यात्रा में सहभागी बनकर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रहा है।'' उन्होंने कहा, ''प्रदेश में संचालित विकास एवं जन-कल्याणकारी योजनाओं से प्रदेशवासियों के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। गरीब, किसान, युवा, मातृशक्ति के साथ ही समाज के प्रत्येक वर्ग तक योजनाओं का लाभ पारदर्शी, त्वरित एवं प्रभावी रूप से पहुंच रहा है।''

मुख्यमंत्री ने कहा, ''पूर्ण विश्वास है कि ईसवी सन्-2026 में डबल इंजन सरकार की विकासपरक नीतियों से उत्तर प्रदेश समृद्धि, सुशासन और सर्वांगीण प्रगति के नए कीर्तिमान स्थापित करेगा।'' बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने देशभर के लोगों और विदेशों में रहने

वाले भारतीयों को नववर्ष की शुभकामनाएं दीं, और उनके लिए खुशी, शांति, समृद्धि, सुरक्षा और आत्म-सम्मान भरे जीवन की कामना की। मायावती ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''समस्त देशवासियों तथा दुनियाभर में रहने वाले भारतीय नागरिकों एवं उनके परिवार वालों को आज नववर्ष सन् 2026 की दिली मुबारकबाद एवं उन सबकी सुख, शान्ति, समृद्धि, सुरक्षा एवं आत्म-सम्मान व स्वाभिमान-युक्त जीवन की शुभकामनायें।''

उन्होंने कहा, ''नया साल देश में सर्वसमाज के हर गरीब व मेहनतकश लोगों अर्थात समस्त बहुजनों की दिन-प्रतिदिन की जिंन्दगी नित्य नये नियम-कानूनों की कदम-कदम पर जकड़नों से दूर सहज व सरल हो तथा यह साल आप सबके लिये बहुत सारी खुशियां लाये, यही कुदरत से कामना ही नहीं बल्कि राजनीतिक और सामाजिक जीवन में बहुजन समाज का थोड़ा अच्छे दिन पाने के लिये यही संघर्ष भी है।'' समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने नववर्ष के संदेश में नए संकल्प और बदलाव का आह्वान करते हुए कहा कि एक नयी सुबह नयी उम्मीदें लाती है और बदलाव खुद से शुरू होता है।

उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''नये साल का नया सवेरा, आशाओं का नया बसेरा, आइए नये रण के लिए नये प्रण लें। नया संकल्प ही नया कल लाता है। हम बदलेंगे तो सब बदलेगा।''

माघ मेला को सकुशल संपन्न कराने को बनाए गए 42 पार्किंग स्थल

प्रयागराज। विश्व प्रसिद्ध प्रयागराज माघ मेला का शुभारंभ 03 जनवरी से होगा। इसे सकुशल संपन्न कराने के लिए माघ मेला प्रशासन की ओर से 42 स्थानों पर पार्किंग स्थल बनाए गए हैं, जहां पर श्रद्धालु अपने वाहन को खड़ा कर सकेंगे। माघ मेला प्रभारी पुलिस अधीक्षक नीरज पांडेय ने बताया कि पतित पावनी मां गंगा एवं यमुना और अन्त:सलीला सरस्वती

के पावन संगम तट पर तीन जनवरी से शुरू हो रहे माघ मेले की सुरक्षा को लेकर तैयारी पूरी हो चुकी है। सभी सेक्टरों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि भीड़ नियंत्रण के लिए भी योजना बनाई गई है। मेले में आने वाले श्रद्धालुओं एवं कल्पवासियों के वाहनों को खड़ा करने के लिए 42 पार्किंग स्थल बनाए गये हैं। कुल 9 पाण्टून पुल बने हैं। मेला क्षेत्र की निगरानी के लिए 450 सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे,जिसमें से अभी तक 300 कैमरे विभिन्न स्थानों पर लगाए जा चुके हैं।

गैंगलीडर शकील मास्टर की 69 लाख से अधिक की सम्पत्ति कुर्क, जब्तीकरण की हुई कार्यवाही

फिरोजाबाद। थाना मक्खनपुर पुलिस टीम ने बृहस्पतिवार को गैंगस्टर एक्ट में नामजद गैंगलीडर अभियुक्त शकील मास्टर की मूल्य 69 लाख 66 हजार 228 रूपये की चल व अचल सम्पत्ति को कुर्क कर जब्तीकरण की कार्यवाही की है। गैंगस्टर पर हुई इस कार्यवाही से अपराधियों में हड़कम्प मचा हुआ है।

सीओ शिकोहाबाद अरुण कुमार चौरसिया ने बताया कि जनपद में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित द्वारा गैंगस्टर एक्ट के तहत आदतन एवं संगठित होकर गम्भीर अपराधों को अंजाम देने वाले गैंगस्टर अभियुक्तों के विरूद्ध अभियान चलाकर कार्यवाही की जा रही है। इसी के क्रम में थाना मक्खनपुर पुलिस टीम ने राजस्व टीम के साथ थाना शिकोहाबाद पर दर्ज गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे से सम्बन्धित शातिर अभियुक्त गैंगलीडर शकील मास्टर पुत्र खालिक उर्फ अब्दुल खालिद निवासी रूकनपुरा, थाना शिकोहाबाद की अन्तर्गत गिरोहबंद एंव असामाजिक क्रियाकलाप अधिनियम 1986 में अचल सम्पत्ति मूल्य 69,66,228 रूपये को कुर्क करते हुए जब्तीकरण की कार्यवाही है।

सीओ ने बताया कि अभियुक्त शकील मास्टर द्वारा लगातार अपराध कारित करते हुए अवैध धन अर्जित कर अवैध अचल सम्पत्ति अपने व अपने पुत्र मौहम्मद अकील के नाम क्रय की है, जिसका उपभोग अभियुक्त द्वारा किया जा रहा है। अपराधियों के विरुद्ध लगातार कार्यवाही जारी है।

प्रदेश में नए साल में नया बिजली कनेक्शन हुआ सस्ता, नई कॉस्ट डाटा बुक जारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अब नया बिजली कनेक्शन लेना पहले से सस्ता हो गया है। इस निर्णय से स्मार्ट प्रीपेड मीटर सिंगल फेस की कीमत 6016 रुपये की जगह 2800 रुपये हो गई है, जबकि थ्री फेस स्मार्ट प्रीपेड की कीमत 11342 की जगह 4100 रुपये कर दी गई है। इसके अलावा इस्टीमेट व्यवस्था समाप्त हो गई है और फिक्स चार्ज के जरिए कनेक्शन मिलेगा।

इसके साथ ही 40 मीटर तक कनेक्शन देने की पुरानी व्यवस्था भी पुराने दिनों की बात हो जाएगी। उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं को नए कनेक्शन के मामले में बड़ी राहत देते हुए नई कॉस्ट डाटा बुक जारी की है। गुरुवार को नियामक आयोग के अध्यक्ष अरविंद कुमार एवं सदस्य संजय कुमार सिंह ने नई कॉस्ट डाटा बुक जारी की। अब नया बिजली कनेक्शन लेने में आसानी रहेगी। जैसे अब 150 किलोवाट तक के कॉमर्शियल कनेक्शन के लिए अब 300 मीटर की दूरी तक किसी प्रकार का एस्टीमेट नहीं बनेगा। इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कोड रिव्यू पैनल की सब-कमेटी की बैठक में यह निर्णय लिए गए हैं। स्मार्ट प्रीपेड मीटर की कीमतों में कटौती नई कॉस्ट डाटा बुक में उत्तर प्रदेश विद्युत आयोग के कई प्रस्तावों को अस्वीकार कर दिया गया है।

खासतौर पर स्मार्ट प्रीपेड मीटर की लागत को 8000 रुपये से अधिक रखने के प्रस्ताव को आयोग ने मंजूरी नहीं किया। इतना ही नहीं उत्तर प्रदेश उपभोक्ता परिषद की मांग स्वीकार करते हुए सिंगल फेस स्मार्ट प्रीपेड मीटर 2800 रुपये , थ्री फेस स्मार्ट प्रीपेड मीटर 4100 रुपये तय कर दी, जबकि इससे पहले विद्युत आयोग द्वारा सिंगल फेस मीटर के लिए 6016 रुपये और थ्री फेस मीटर के लिए 11342 रुपये थी। अतिरिक्त वसूली गई राशि लौटानी होगी9 सितंबर 2025 से नए विद्युत कनेक्शन पर

स्मार्ट प्रीपेड मीटर अनिवार्य कर विद्युत आयोग अधिक राशि वसूल रहा था। नई व्यवस्था लागू होने के बाद अब पूरे प्रदेश के उपभोक्ताओं से की गई लगभग 100 करोड़ रुपये से अधिक की अतिरिक्त वसूली विद्युत आयोग को वापस करनी होगी। एस्टीमेट सिस्टम और भ्रष्टाचार पर लगेगा अंकुशकंज्यूमर राइट्स रूल 2020 की धारा 4 (उपधारा 13) के तहत कॉस्ट डाटा बुक को नए स्वरूप में अंतिम रूप दिया गया है। इससे बिजली कनेक्शन से जुड़ा एस्टीमेट सिस्टम खत्म होगा। नई व्यवस्था में प्रोसेसिंग फीस, सिक्योरिटी राशि, मीटरिंग चार्ज सहित सभी शुल्क एकमुश्त तय कर दिए गए हैं। उपभोक्ता को केवल निर्धारित राशि जमा करनी होगी, शेष सभी तकनीकी व्यवस्थाएं विद्युत विभाग स्वयं करेगा। 150 किलोवाट तक, 300 मीटर तक बिना झंझट कनेक्शननई कॉस्ट डाटा बुक के तहत 150 किलोवाट तक के कनेक्शन के लिए ट्रांसफार्मर, पोल या कंडक्टर जैसी तकनीकी व्यवस्थाओं की चिंता उपभोक्ता को नहीं करनी होगी। विभाग को 300 मीटर की दूरी तक सभी आवश्यक व्यवस्थाएं खुद करनी होंगी। कनेक्शन दूरी को तीन श्रेणियों में बांटा गया है।

इनमें 0 से 100 मीटर, 101 से 300 मीटर और 301 मीटर से अधिक (अलग से एस्टीमेट) शामिल हैं। नई कालोनियों में देना होगा सिर्फ मीटरिंग शुल्कनई कास्ट डाटा बुक-2025 के अनुसार अविकसित गैर-विद्युतीकृत कॉलोनियों के निवासियों को केवल मीटरिंग शुल्क का भुगतान करना होगा। बुनियादी ढांचे के नाम पर लिए जाने वाला शुल्क खत्म कर दिया गया है। उपभोक्ताओं को मिलेगा लाभराज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष एवं सप्लाई कोड रिव्यू पैनल की सब-कमेटी के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि बिजली कनेक्शन के एस्टीमेट बनाने की प्रक्रिया में भ्रष्टाचार व्याप्त है। एक जैसे मामलों में अलग-अलग एस्टीमेट बनाकर उपभोक्ताओं से वसूली होती थी, लेकिन अब इस पर अंकुश लगेगा।

उन्होंने बताया कि 2 किलोवाट का घरेलू उपभोक्ता यदि 100 मीटर तक कनेक्शन लेता है तो अब उसे केवल 5500 रुपये जमा करने होंगे। इसी प्रकार 300 मीटर दूरी पर स्थित उपभोक्ता को 7555 रुपये जमा करने पर कनेक्शन मिल जाएगा। पहले ऐसे मामलों में खंभे, ट्रांसफार्मर और अन्य व्यय के नाम पर राशि ली जाती थी। इसके साथ ही नई व्यवस्था में गरीब एवं बीपीएल उपभोक्ता मीटर मूल्य का भुगतान में किस्त में कर सकेंगे।

तीर्थ यात्रियों से भरी मिनी बस ट्रक से टकराई, दो महिलाओं की मौत

हमीरपुर। जरिया थाना क्षेत्र के बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर तीर्थयात्रियों को लेकर चित्रकूट से उज्जैन जा रही टूरिस्ट बस ट्रक के पीछे घुस गई। जिससे बस में सवार गुजरात की दो महिलाओं की मौत हो गई। वहीं कई अन्य तीर्थयात्री घायल हो गए। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर गुरुवार को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है और घायलों को इलाज के लिए नजदीक के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार गुजरात के आनंद जिला निवासी जगदीश भाई ने बताया कि वह अपनी पत्नी गीता बेन और दोनों पुत्र रवि सचिन के अलावा अपनी समधन दिव्या बहन और अन्य परिजनों और रिश्तेदारों के साथ मिनी बस से धार्मिक यात्रा पर निकले हुए थे। वह विभिन्न धार्मिक स्थलों की यात्रा कर वाराणसी से होते हुए उज्जैन जाना था। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर गुरुवार को घने कोहरे के कारण अचानक उनकी तेज रफ्तार मिनी बस आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। हादसे में उनकी पत्नी गीता बेन और समधन दिव्या बेन पत्नी नवीन भाई निवासी जिला खेड़ा गुजरात की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। बताया कि हादसे में अन्य कोई घायल नहीं हुआ है। थाना प्रभारी दिनेश चन्द्र ने बताया कि बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे में बस ट्रक के पीछे टकरा गई जिससे दो महिलाओं की मौत हो गई है।

नए साल के जश्न के बीच चोरों ने सर्राफा दुकान के ताले तोड़े, लाखों जेवर-नकदी चोरी

औरैया। जनपद में जब नए साल के स्वागत में जश्न मन रहा था तो वहीं कुदरकोट थाना क्षेत्र में बेखौफ चोरों ने बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम देकर सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। थाना कुदरकोट क्षेत्र के कस्बा वैबहा में बीती रात अज्ञात चोरों ने एक सर्राफा दुकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया।

जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत गड़वाना के मजरा लुखरिया निवासी दिनेश कुमार पुत्र हंसराम एवं ओमवीर सिंह पुत्र महिपाल सिंह वैबहा कस्बे में किराये की दुकान लेकर सर्राफा का व्यवसाय करते हैं। नए साल की पूर्व संध्या पर दोनों दुकानदार रोज की तरह दुकान बंद कर अपने घर चले गए थे। देर रात चोरों ने दुकान का ताला तोड़ दिया और अंदर रखी भारी-भरकम अलमारी को उठाकर दुकान के पीछे स्थित खेत में ले गए। चोरों ने खेत में ले जाकर इत्मीनान से अलमारी को तोड़ा और उसमें रखे करीब 50 ग्राम सोने के जेवरात, लगभग दो किलो चांदी के आभूषण तथा 1100 रुपये नकद निकाल लिए। चोरी के बाद चोर अलमारी को खाली हालत में खेत में छोड़कर फरार हो गए। सुबह जब दुकानदार और ग्रामीण मौके पर पहुंचे

तो दुकान का टूटा ताला देखकर उनके होश उड़ गए। खेत में खाली पड़ी अलमारी मिलने के बाद पूरे गांव में हड़कंप मच गया। पीड़ित दुकानदार दिनेश कुमार ने बताया कि चोरी गए जेवरातों की कुल कीमत करीब 10 लाख रुपये आंकी जा रही है।

घटना की सूचना मिलते ही कुदरकोट थाना अध्यक्ष अमर बहादुर सिंह मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। आसपास के लोगों से पूछताछ की गई, वहीं फॉरेंसिक टीम को भी बुलाकर साक्ष्य एकत्र किए गए। पुलिस प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और जल्द ही चोरों को गिरफ्तार कर चोरी गया माल बरामद कर लिया जाएगा।

दिनदहाड़े युवक की चाकू मारकर हत्या, आरोपी गिरफ्तार

कुशीनगर। दिनदहाड़े हमलावरों ने कथित तौर पर 22 साल के युवक की गला काटकर हत्या कर दी, जिसके बाद इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह घटना बुधवार को कसया थाना अंतर्गत के जुडवनिया गांव के पास हुई।

मृतक की पहचान निशांत सिंह उर्फ शक्तिमान के रूप में हुई है, जो नौकटोला गांव के अंबापुर टोला का रहने वाला था और संतोष सिंह का बेटा था। पुलिस के मुताबिक, निशांत बुधवार दोपहर को अपने गांव से थोड़ी दूर स्थित जुडवनिया गांव की ओर गया था। बताया जा रहा है कि पड़ोसी गांव के कुछ स्थानीय युवकों से उसकी कहासुनी हो गई, जिसके बाद हमलावरों ने कथित तौर पर धारदार हथियार से उस पर हमला किया और मौके से फरार हो गए। परिवार वाले घायल युवक को कसया के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां से उसे कुशीनगर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

वहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ ने बताया कि निशांत पर हमला करने वाले मुख्य आरोपी नौशाद अंसारी को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि उसके साथी को भी पकड़ने की कोशिशें जारी हैं। इस बीच, एहतियात के तौर पर गांव में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है और स्थिति नियंत्रण में है। उन्होंने बताया कि आगे की जांच जारी है।

जमीन विवाद को लेकर हुए हमले में महिला की मौत, मामला दर्ज

अमेठी। जमीन विवाद से जुड़े एक हमले में गंभीर रूप से घायल 60 साल की एक महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। जिले के मुसाफिरखाना थाना क्षेत्र के पूरे मोहम्मद नेवादा गांव में जमीनी विवाद में हुई मारपीट में घायल 60 वर्षीय महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई। पीड़ित महिला की बहू प्रमिला के मुताबिक उसका गांव के ही कुछ लोगों से जमीन विवाद था, जिन लोगों ने 31 दिसंबर की शाम करीब सात बजे उसकी सास शिवा (60) पर हमला कर दिया । प्रमिला ने बताया कि इस हमले के बाद उनकी सास गंभीर रूप से घायल हो गईं, जिन्हें इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुसाफिर खाना ले जाया गया जहां से डॉक्टर ने जिला चिकित्सालय गौरीगंज भेज दिया था, जहां उपचार के दौरान आज उनकी मौत हो गई। मुसाफिरखाना थाने के प्रभारी निरीक्षक विवेक सिंह ने बताया कि प्रमिला की ओर से दी गयी तहरीर में घटना की जानकारी मिली है और गांव के ही हर्षवर्धन, जयवर्धन, इतवार इफ्तखार, जैदउल्ला सहित कुछ अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। नियम अनुसार शव का पोस्टमार्टम गौरीगंज पुलिस द्वारा कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पुलिस जांच कर रही है ।

दोगुने मुनाफे का लालच देकर करोड़ों की ठगी के आरोप में सात लोगों के खिलाफ मुकदमा

बलिया। जिले में निवेश पर दोगुने मुनाफे का लालच देकर हजारों लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी करने के आरोप में एक कोऑपरेटिव सोसाइटी के मुख्य महाप्रबंधक समेत सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि बांसडीह कोतवाली क्षेत्र के बकवा गांव निवासी कमिच्छा प्रसाद की शिकायत पर बुधवार को 'लोनी अर्बन मल्टीस्टेट क्रेडिट थ्रिफ्ट कोऑपरेटिव सोसाइटी' के मुख्य महाप्रबंधक समीर अग्रवाल, उसकी पत्नी सानिया अग्रवाल (मुंबई निवासी), वाराणसी निवासी अजय सिंह चौहान और बलिया जिले के श्रेयस तलपड़े, आर के शेट्टी, संजय मुदगिल, शबाब हुसैन व कुछ अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी व गबन के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया।

पुलिस ने दर्ज प्राथमिकी का हवाला देते हुए बताया कि समीर अग्रवाल ने आपराधिक षड्यंत्र रचते हुए बलिया जिले में 'एडवांटेज' नाम की कंपनी खोली और निवेशकों को मूल राशि पर दोगुना मुनाफे का प्रलोभन दिया। पुलिस के मुताबिक, बांसडीह में सुविधा केंद्र खोलकर

सैकड़ों एजेंट और हजारों ग्राहकों को जोड़कर करोड़ों रुपए का पैसा कंपनी की विभिन्न योजनाओं में लगाया गया। पुलिस ने बताया कि बलिया जिले के सिकंदरपुर, बेल्थरारोड, जलालपुर, मनियर, सहतवार, रेवती, बेरुआरबारी, सुखपुरा, तिलौली व बांसडीह सहित कुल 11 सुविधा केंद्र खोले गए।

पुलिस के मुताबिक, इसके अलावा गोरखपुर, आजमगढ़, मीरजापुर, चंदौली, भदोही, जौनपुर, गाजीपुर, मऊ समेत प्रदेश के अन्य जनपदों और दूसरे राज्यों में भी कार्यालय खोलकर एजेंट नियुक्त किए गए और करोड़ों रुपए का निवेश कराया गया। पुलिस ने बताया कि वर्ष 2024 में कंपनी का पोर्टल बंद होने के बाद निवेशकों को अपने साथ धोखाधड़ी का पता लगा। कोतवाली प्रभारी प्रवीन कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस मुकदमा दर्ज कर छानबीन कर रही है।

पुलिस ने खोए हुए 253 मोबाइल फोन स्वामियों को लौटाया

सोनभद्र। जनपद सोनभद्र पुलिस ने नागरिकों के खोये या चोरी हुए मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए विशेष अभियान आपरेशन चलाकर 253 मोबाइल बरामद किये थे , जिन्हें नये वर्ष के प्रथम दिन स्वामियों को सुपुर्द किया गया।

खोए हुए मोबाइल पाकर नागरिकों ने सोनभद्र पुलिस का विशेष आभार जताया है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने गुरुवार को बताया की सीईआईआर पोर्टल पर दर्ज मोबाइल चोरी या लापता की शिकायतों पर उनकी बरामदगी के लिए एक विशेष अभियान आपरेशन रिंग रिटर्न चलाया गया। इस अभियान में साइबर थाना सर्विलांस सेल, एसओजी टीम तथा जनपद के समस्त थानों की संयुक्त टीमों को लगाया गया था।

इस अभियान में सीईआईआर पोर्टल पर दर्ज शिकायतों के विवरण को देखकर तकनीकी ट्रेसिंग कर कुल 253 एंड्रॉइड मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। नये वर्ष के प्रथम दिन बरामद मोबाइल फोन को वास्तविक स्वामियों को विधिक प्रक्रिया पूर्ण करते हुए सुपुर्द किया गया है।

नववर्ष 2026 के पहले दिन श्री काशी विश्वनाथ और मां अन्नपूर्णा के दरबार में आस्था का सैलाब

वाराणसी। आंग्ल नववर्ष 2026 के पहले दिन गुरूवार को उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी काशी (वाराणसी) में श्री काशी विश्वनाथ और मां अन्नपूर्णा का दरबार लाखों श्रद्धालुओं से भरा रहा। अलसुबह धुंध और कोहरे को अर्दब में लेकर खिली धूप और सुहावने मौसम में युवाओं ने बाबा विश्वनाथ दरबार सहित विभिन्न मंदिरों में दर्शन पूजन कर जीवन में नए जोश–नई उम्मीद की शुरूआत की। इस दौरान युवाओं और श्रद्धालुओं में बाबा विश्वनाथ, श्री संकटमोचन दरबार के प्रति आस्था गंगा की मौजों की तरह उफान मारती रही। दुर्गाकुण्ड स्थित मां कुष्मांडा दरबार, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय स्थित विश्वनाथ मंदिर, लक्ष्मीकुंड स्थित लक्ष्मी मंदिर, सारनाथ स्थित सारंग महादेव दरबार, रोहनिया स्थित शूलटंकेश्वर महादेव, दुर्गाकुंड स्थित त्रिदेव मंदिर में युवाओं की भीड़ दर्शन पूजन के लिए भोर से ही कड़ाके की ठंड के बावजूद पहुंचने लगी। नव वर्ष के पहले दिन श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में श्रद्धा और भक्ति उफान मारती रही। मंगलवार

तड़के तीन बजे हुई बाबा की मंगला आरती के पहले लाखों श्रद्धालु दर्शन पूजन के लिए कतारबद्ध हो गए। दिन चढ़ने के साथ कतार का दायरा बढ़ता चला गया। श्रद्धालु कतारबद्ध होकर अपनी बारी का इंतजार हर-हर महादेव के उद्घोष के साथ करते रहे। मंदिर परिक्षेत्र में भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रशासन और जिला प्रशासन ने सुरक्षा और व्यवस्था का व्यापक प्रबंध किया है। उधर, नए साल का अलसुबह सूर्योदय की लालिमा के बीच गर्मजोशी से स्वागत के बाद युवाओं ने गंगाघाटों के साथ उस पार रेती में, सारनाथ, बीएचयू परिसर, माल्स और सार्वजनिक पार्को में जमकर मस्ती की। युवाओं के भीड़ को देखते हुए नगर के सभी सार्वजनिक जगहों पर सुरक्षा का व्यापक इंतजाम किया गया है। सारनाथ में पुरातात्विक खंडहर परिसर, चौखंडी स्तूप, मुलगंधकुटी बौद्ध मंदिर परिसर, डियर पार्क, आशापुर चौराहा, हवेलिया चौराहा पर पुलिस कर्मी मुस्तैद नजर आये। गंगाघाटों पर लाखों की संख्या में जुटे लोगों ने नववर्ष के पहले दिन सजे–धजे बजड़ों, स्टीमर और नावों पर सवार होकर खिली धूप में नौकायन का आनन्द लिया। गंगा उस पार रेती में भी नव वर्ष मनाने के लिए लोग परिवार के साथ पहुंचते रहे। गंगा की रेती पर लोगों ने बच्चों के साथ घुड़सवारी का जमकर आनन्द उठाया। शहर में आटो चालक अपने वाहनों को सजाकर गुब्बारे लगा चल रहे थे। सड़कों पर भी चूने से लिखकर नववर्ष का स्वागत किया गया। नववर्ष के पहले दिन गुरूवार को नगर में जगह –जगह अस्थायी फूलों, गुलदस्तों की दुकान सजी थी। इंग्लिशिया लाइन और बांसफाटक स्थित फूल बाजार में फूलों के राजा गुलाब, बुके और गेंदा को खरीदने के लिए फुटकर विक्रेताओं का आना–जाना अलसुबह से ही लगा रहा।

तेज रफ्तार ट्रक ने मामा-भांजे को रौंदा, दोनों की अस्पताल में मौत

कानपुर। उत्तर प्रदेश के जनपद कानपुर के स्वरूप नगर थाना क्षेत्र स्थित जीटी रोड नहरिया के पास देर रात तेज रफ्तार बेकाबू ट्रक ने बाइक सवार मामा-भांजे को रौंद दिया। दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर पड़ताल में जुट गई है। चौबेपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत कंजती गांव में रहने वाले अरुण शर्मा का बेटा शिवम (25) अपने गांव में घाटमपुर के रहने वाले मामा शिवाकांत (27) के साथ मिलकर बेकरी चलाता था। परिजनों ने बताया कि 31 दिसंबर की रात केक की भारी डिमांड थी। दोनों मामा भांजे डिलीवरी के साथ साथ केक का सामान लेने के लिए सीसामऊ गए थे। दोनों जीटी रोड स्थित हैलट अस्पताल के पास पहुंचे ही थे कि तभी रामादेवी की ओर से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। भागने के प्रयास में ट्रक ने दोनों को रौंद दिया और मौके से भाग निकला। स्वरूप नगर थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह ने आजगुरुवार को बताया कि घटनास्थल से थोड़ी दूर जाकर ट्रक चालक गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गया है। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर अग्रिम विधिक कार्रवाई कर रही है।

टी20 वर्ल्ड कप : ऑस्ट्रेलिया की प्रारंभिक टीम घोषित, कमिंस-हेजलवुड-टिम डेविड शामिल

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया ने आगामी टी20 वर्ल्ड कप के लिए अपनी प्रारंभिक (प्रोविजनल) टीम का ऐलान कर दिया है। चोट से उबर रहे पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और टिम डेविड को टीम में शामिल किया गया है। टीम की कमान एक बार फिर मिचेल मार्श के हाथों में होगी।

चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा कि पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और टिम की रिकवरी सही दिशा में है और तीनों के टूर्नामेंट तक फिट होने की पूरी उम्मीद है। कमिंस पीठ की चोट से उबर रहे हैं और इस महीने के अंत में उनका स्कैन होगा, जिसके बाद अंतिम टीम पर फैसला लिया जाएगा।

बता दें की टिम डेविड को बॉक्सिंग डे पर बिग बैश लीग मैच के दौरान ग्रेड-2 हैमस्ट्रिंग चोट लगी थी। वहीं,जोश हेजलवुड एशेज सीरीज में एचिलीज़ में दर्द के कारण नहीं खेल पाए थे, जो हैमस्ट्रिंग समस्या के बाद उभरा, जबकि पैट

कमिंस ने पीठ की चोट के बाद एशेज के तीसरे टेस्ट (एडिलेड) में वापसी की थी। बेली ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के हवाले से कहा कि टी20 टीम की हालिया सफलता को देखते हुए हमने भारत और श्रीलंका की परिस्थितियों के अनुरूप संतुलित टीम चुनी है। यह प्रारंभिक टीम है, जरूरत पड़ने पर सपोर्ट पीरियड से पहले बदलाव संभव हैं। स्पिन-भारी संयोजन भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए ऑस्ट्रेलिया ने स्पिन-भारी संयोजन रखा है। टीम अपने ग्रुप-बी के मुकाबले कोलंबो और पल्लेकेले में खेलेगी।

कैमरन ग्रीन और कूपर कॉनॉली की टीम में वापसी हुई है, जबकि जोश इंग्लिस टीम के एकमात्र विकेटकीपर हैं। मिचेल ओवेन और बेन ड्वार्शुइस को टीम में जगह नहीं मिली। वर्ल्ड कप से पहले पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज की टीम बाद में घोषित की जाएगी।

ऑस्ट्रेलिया की प्रारंभिक टीम (टी20 वर्ल्ड कप)

मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, कूपर कॉनॉली, पैट कमिंस, टिम डेविड, कैमरन ग्रीन, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), मैथ्यू कुनेमन, ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस, एडम ज़म्पा।

चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा कि कमिंस, हेजलवुड और टिम डेविड की रिकवरी सही दिशा में है और तीनों के टूर्नामेंट तक फिट होने की पूरी उम्मीद है। कमिंस पीठ की चोट से उबर रहे हैं और इस महीने के अंत में उनका स्कैन होगा, जिसके बाद अंतिम टीम पर फैसला लिया जाएगा।

सड़क हादसे के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज हुए एंथनी जोशुआ

लागोस। ब्रिटिश मुक्केबाज़ और दो बार के पूर्व हेवीवेट वर्ल्ड चैंपियन एंथनी जोशुआ को नाइजीरिया में हुए सड़क हादसे के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। नाइजीरियाई अधिकारियों ने बुधवार देर रात इसकी पुष्टि की। यह हादसा सोमवार को लागोस के पास हुआ, जिसमें जोशुआ के दो करीबी सहयोगी और टीम सदस्य – सीना घामी और लतीफ 'लैट्ज़' अयोदेल – की मौत हो गई। घामी जोशुआ के स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच थे, जबकि अयोदेल उनके ट्रेनर थे।

हादसे के बाद मामूली चोटों के चलते एंथनी जोशुआ को लागोस के लैगून अस्पताल में निगरानी में रखा गया था। उनके प्रमोटर एडी हर्न की कंपनी मैचरूम बॉक्सिंग ने बताया था कि उनकी हालत स्थिर है। लागोस राज्य के सूचना आयुक्त गबेंगा ओमोटोसो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर बयान जारी कर कहा कि चिकित्सकीय रूप से फिट पाए जाने के बाद जोशुआ को बुधवार दोपहर अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया और उन्हें घर पर आराम करने की सलाह दी गई है। ओमोटोसो के अनुसार, "एंथनी जोशुआ और उनकी मां बुधवार दोपहर लागोस के एक अंतिम संस्कार गृह में मौजूद थे, जहां उन्होंने अपने दोनों दिवंगत दोस्तों को अंतिम श्रद्धांजलि दी। दोनों शवों को देर शाम उनके देशों में भेजने की प्रक्रिया पूरी की गई।" हादसे से कुछ घंटे पहले ही जोशुआ और अयोदेल ने सोशल मीडिया पर साथ में टेबल टेनिस खेलते हुए वीडियो साझा किया था। इससे पहले बुधवार को एडी हर्न ने हादसे में जान गंवाने वाले दोनों लोगों को श्रद्धांजलि देते हुए इंस्टाग्राम पर लिखा, "लैट्ज़ और सीना, शांति से आराम करें।

आपकी ऊर्जा, निष्ठा और कई बेहतरीन गुण हमेशा याद किए जाएंगे। इस कठिन समय में उनके परिवार, दोस्तों और एजे के लिए प्रार्थना करता हूं।" यह दुर्घटना लागोस-इबादान एक्सप्रेसवे पर सुबह करीब 11 बजे हुई, जब जोशुआ और उनकी टीम जिस वाहन में यात्रा कर रही थी, वह सड़क पर खड़े एक ट्रक से टकरा गई। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में जोशुआ को क्षतिग्रस्त वाहन से बाहर निकालते हुए दर्द में कराहते देखा गया। गौरतलब है कि नाइजीरिया जोशुआ के माता-पिता का मूल देश है।

रॉबर्टो कार्लोस ने दिल की सर्जरी के बाद कहा, मैं अब ठीक हूं

साओ पाउलो (ब्राजील)। ब्राजील और रियाल मैड्रिड के पूर्व दिग्गज फुटबॉलर रॉबर्टो कार्लोस ने पुष्टि की कि बुधवार को उनके दिल की सर्जरी हुई थी और अब वह अच्छा महसूस कर रहे हैं। कार्लोस ने सोशल मीडिया पर अस्पताल से एक तस्वीर पोस्ट की जिसमें वह मुस्कुरा रहे हैं। इस 52 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, "मुझे दिल का दौरा नहीं पड़ा। मैं अच्छी तरह से ठीक हो रहा हूं और जल्द ही पूरी तरह से स्वस्थ होकर अपने पेशेवर और व्यक्तिगत कार्यों को फिर से शुरू करने के लिए उत्सुक हूं।'

इस बीच साओ पाउलो के विला नोवा स्टार अस्पताल ने बयान में कहा कि रॉबर्टो कार्लोस को सोमवार को हृदय में कुछ परेशानी महसूस हुई और उन्हें उसी दिन कोरोनरी एंजियोप्लास्टी कराने की सलाह दी गई। यह प्रक्रिया न्यूनतम चीर-फाड़ वाली होती है और इसमें हृदय की अवरुद्ध या संकुचित धमनियों को चौड़ा किया जाता है। विश्व कप विजेता और तीन बार के चैंपियंस लीग विजेता

रहे कार्लोस ने कहा, "मैं हाल में एक चिकित्सा प्रक्रिया से गुजरा जिसकी योजना मेरी मेडिकल टीम के साथ पहले से ही बनाई गई थी। यह प्रक्रिया सफल रही और मैं ठीक हूं।" अस्पताल ने बताया कि रॉबर्टो कार्लोस की हालत स्थिर है और चिकित्सा प्रोटोकॉल के कारण उन्हें गहन चिकित्सा इकाई में में रखा जाएगा। रॉबर्टो कार्लोस ने ब्राजील के लिए 125 मैच खेले।

वह 11 वर्ष तक रियाल मैड्रिड के लिए खेलते रहे। वह वर्तमान में इस स्पेनिश क्लब के दूत हैं। रॉबर्टो कार्लोस ब्राजील की उस विश्व कप टीम के सदस्य थे जिसने 1998 में फाइनल में जगह बनाई और 2002 में जीत हासिल की।

क्रामनिक ने फिडे पर स्विस सिविल कोर्ट में मानहानि का मुकदमा दायर किया

नई दिल्ली। रूस के शतरंज खिलाड़ी व्लादिमीर क्रामनिक ने अमेरिकी ग्रैंडमास्टर डेनियल नारोदित्स्की की मौत के बाद कथित तौर पर 'अपुष्ट' धोखाधड़ी के आरोपों के साथ खिलाड़ियों को परेशान करने के आरोप में जांच का सामना करने के बाद विश्व शतरंज की सर्वोच्च संस्था (फिडे) के खिलाफ स्विट्जरलैंड की एक जन अदालत में मानहानि का मुकदमा दायर किया है। क्रामनिक ने एक्स पर पोस्ट किया कि साथी खिलाड़ियों और फिडे ने उनके खिलाफ लगातार हमलावर तेवर अपनाए हैं जिसके कारण उन्हें कानूनी रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ा है। फिडे के सीईओ एमिल सुतोवस्की ने नारोदित्स्की के खिलाफ धोखाधड़ी के क्रामनिक के आरोपों को 'शर्मनाक' बताया था। अमेरिका के 29 वर्षीय खिलाड़ी नारोदित्स्की की मौत का सटीक पता नहीं है लेकिन उन्होंने अपने आखिरी लाइवस्ट्रीम में कहा था कि वह क्रामनिक के आरोपों के कारण बहुत मानसिक तनाव में हैं।

रियल मैड्रिड को झटका: घुटने की चोट के कारण किलियन एम्बाप्पे बाहर

मैड्रिड। रियल मैड्रिड के स्टार फॉरवर्ड किलियन एम्बाप्पे बाएं घुटने में चोट के कारण टीम से बाहर हो गए हैं। स्पेनिश क्लब ने बुधवार को एक संक्षिप्त बयान जारी कर बताया कि फ्रांस के इस सुपरस्टार को घुटने में मोच (स्प्रेन) आई है, हालांकि उनकी वापसी को लेकर कोई समय-सीमा नहीं बताई गई है। फ्रांस के एक प्रतिष्ठित खेल अखबार के अनुसार, एम्बाप्पे कम से कम तीन हफ्तों तक मैदान से दूर रह सकते हैं। अखबार ने किसी आधिकारिक सूत्र का हवाला नहीं दिया है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि एम्बाप्पे पिछले कई हफ्तों से घुटने के लैटरल लिगामेंट से जुड़ी समस्या से जूझ रहे थे और बुधवार सुबह कराई गई एमआरआई जांच में ऐसी चोट (लेज़न) सामने आई है, जिसके लिए इलाज और आराम जरूरी है। एम्बाप्पे इस समय शानदार फॉर्म में थे। इसी महीने की शुरुआत में उन्होंने 2025 में रियल मैड्रिड के लिए अपना 59वां गोल दागा था, जिसके साथ ही उन्होंने एक कैलेंडर

वर्ष में सर्वाधिक गोल करने का क्लब रिकॉर्ड क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बराबर कर लिया। पेरिस सेंट-जर्मेन से 2024 की गर्मियों में रियल मैड्रिड से जुड़े एम्बाप्पे इस सीजन अब तक कुल 29 गोल कर चुके हैं, जिनमें से 18 गोल ला लीगा में हैं और वह लीग के शीर्ष स्कोरर भी हैं।

रियल मैड्रिड का अगला मुकाबला रविवार को ला लीगा में रियल बेटिस के खिलाफ होना है, जिसमें एम्बाप्पे की गैरमौजूदगी टीम के लिए बड़ा झटका मानी जा रही है।

नए साल में नए नियम: राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम आंशिक रूप से लागू

नई दिल्ली। राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम गुरुवार को आंशिक रूप से लागू हो गया है, जिससे एक सर्व शक्तिशाली राष्ट्रीय खेल बोर्ड (एनएसबी) और खेल विवादों को सुलझाने के लिए एक पंचाट बनाने का रास्ता साफ हो गया है। इस अधिनियम को पिछले साल 18 अगस्त को अधिसूचित किया गया था और खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने इसे देश का सबसे बड़ा खेल सुधार बताया है।

जिन प्रावधानों को लागू किया जा रहा है, वे राष्ट्रीय खेल निकायों की स्थापना और शासन ढांचे से संबंधित हैं, जिनमें राष्ट्रीय ओलंपिक समिति, राष्ट्रीय पैरालंपिक समिति, राष्ट्रीय खेल महासंघ (एनएसएफ) और क्षेत्रीय खेल संघ शामिल हैं। मंत्रालय की एक विज्ञप्ति में कहा गया है, "उक्त अधिनियम की धारा 1 से 3, धारा 4 की उप-धारा (1), (2) और (4), धारा 5 के उप-धारा (1) और (2), धारा 8 के उप-धारा (5), धारा 11 के उप-धारा (1), धारा 14 और 15, धारा 17 की उप-धारा (1) से (7) और (10), धारा 30 और 31, और धारा 33 से 38 के प्रावधान लागू होंगे।" अधिनियम के प्रावधानों के तहत चुनाव होने के बाद सभी निकायों के लिए 15 से अधिक सदस्यों वाली कार्यकारी समितियां बनाना अनिवार्य होगा, जिनमें कम से कम दो खिलाड़ी (एसओएम) शामिल होंगे। अधिनियम के आंशिक रूप से लागू होने के साथ ही राष्ट्रीय खेल बोर्ड (एनएसबी) और राष्ट्रीय खेल पंचाट (एनएसटी) के गठन की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी।

एनएसबी में एक अध्यक्ष और ऐसे सदस्य होंगे जिनकी नियुक्ति केंद्र सरकार द्वारा 'योग्यता, ईमानदारी और प्रतिष्ठा वाले व्यक्तियों' में से की जाएगी और जिनके पास लोक प्रशासन, खेल प्रशासन, खेल कानून और अन्य संबंधित क्षेत्रों में विशेष ज्ञान या व्यावहारिक अनुभव हो।" मंत्रालय ने कहा, "इस अधिनियम को चरणबद्ध तरीके से लागू करने का उद्देश्य वैधानिक खेल प्रशासन ढांचे में सुचारू बदलाव सुनिश्चित करना है।" मंत्रालय ने उन राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) को, जिनके आगामी कुछ महीनो में चुनाव होने वाले हैं, अधिनियम के पूर्ण तरह से लागू करने के लिए प्रक्रिया को दिसंबर तक स्थगित करने की अनुमति पहले ही दे दी है। इसका मतलब है कि अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के चुनाव साल के काफी अंत में होंगे। प्रस्तावित तीन सदस्यीय निकाय, एनएसबी के पास न केवल एनएसएफ को संबद्धता प्रदान करने की शक्ति होगी, बल्कि अधिनियम के पूरी तरह से लागू होने के बाद उनके वित्तीय संचालन की निगरानी करने और किसी भी कदाचार के लिए उन्हें दंडित करने की भी शक्ति होगी।

सरकारी अनुदान प्राप्त करने के लिए एनएसएफ के लिए एनएसबी से संबद्धता अनिवार्य होगी। एनएसबी के सभी सदस्यों के लिए आयु सीमा 65 वर्ष निर्धारित की गई है। राष्ट्रीय खेल पंचाट के सदस्य चार साल के लिए पद पर रहेंगे और उनकी आयु सीमा 67 वर्ष होगी। राष्ट्रीय खेल संघों और अन्य खेल निकायों के चुनावों के प्रबंधन के लिए एक राष्ट्रीय खेल चुनाव पैनल (एनएसईपी) का गठन भी किया जाना है।

तरुण गर्ग ने हुंडई मोटर इंडिया के एमडी और सीईओ पद का कार्यभार संभाला

नई दिल्ली। तरुण गर्ग ने हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) के प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) का पदभार गुरुवार को संभाल लिया। दक्षिण कोरियाई मोटर वाहन विनिर्माता कंपनी हुंडई मोटर कंपनी की भारतीय इकाई हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) की स्थापना के 29 वर्ष बाद यह पहली बार है, जब कोई भारतीय नागरिक इसका नेतृत्व कर रहा है। तरुण गर्ग, उनसू किम का स्थान लेंगे, जो दक्षिण कोरिया की हुंडई मोटर कंपनी में रणनीतिक भूमिका में लौट रहे हैं। गर्ग ने अपनी नई भूमिका पर कहा कि मेरा लक्ष्य मजबूत नींव पर आगे बढ़ते हुए एचएमएल को सतत वृद्धि, प्रौद्योगिकी नेतृत्व और ग्राहक संतुष्टि की ओर अग्रसर करना है। तरूण गर्ग ने दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी से मैकेनिकल इंजीनियर और आईआईएम लखनऊ से एमबीए की पढ़ाई पूरी की हैं। कंपनी के मुताबिक ऑटोमोटिव क्षेत्र में तीन दशकों से ज्यादा के अनुभव के साथ तरूण गर्ग के पास एचएमआईएल के भारत में विकास के दूसरे चरण का नेतृत्व करने के लिए सही विशेषज्ञता है। हुंडई से पहले तरुण गर्ग ने मारुति सुजुकी में एक लंबा और सफल करियर बनाया, जहां वे मार्केटिंग, लॉजिस्टिक्स, पार्ट्स एंड एक्सेसरीज विभाग के एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर के पद तक पहुंचे।

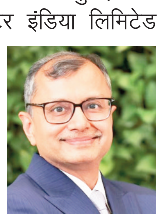

सांख्यिकी मंत्रालय ने लांच किया नया लोगो और शुभंकर

नई दिल्ली। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने गुरुवार (1 जनवरी) को अपना नए लोगो और शुभंकर लॉन्च किया। यह मंत्रालय की अपनी संस्थागत पहचान को आधुनिक बनाने, लोक संपर्क बढ़ाने और राष्ट्र निर्माण में आधिकारिक आंकड़ों की भूमिका को सुदृढ़ करने के प्रयासों का हिस्सा है।

मंत्रालय के मुताबिक नए लोगो में अशोक चक्र, सत्य, पारदर्शिता और सुशासन का प्रतीक है। मध्य में स्थित रुपये का चिह्न आर्थिक नियोजन, नीति निर्माण और राष्ट्रीय विकास में आंकड़ों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। संख्याओं और प्रतीकों का उपयोग आधुनिक डेटा प्रणालियों तथा सांख्यिकी विज्ञान को दर्शाता है। वहीं, ऊपर की ओर बढ़ती विकास रेखा प्रगति को दर्शाती है और बताती है कि विश्वसनीय डेटा सतत आर्थिक विकास की कैसे सहायता करता है। केसरिया, सफेद, हरा और गहरा नीला रंग भारत के राष्ट्रीय मूल्यों - विकास,

सत्य, स्थिरता, स्थायित्व और ज्ञान-का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो आधिकारिक आंकड़ों के भरोसे और विश्वसनीयता को मजबूत करते हैं। इसके अलावा सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने अपना नया शुभंकर, ₹सांख्यिकी₹ प्रस्तुत किया है। ये एक मैत्रीपूर्ण और लोक-केंद्रित चरित्र है, जिसे देशभर के लोगों के लिए आंकड़ों को सरल, समझने योग्य और आकर्षक बनाने के लिए बनाया गया है। यह शुभंकर सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के मूल मूल्यों-सटीकता, पारदर्शिता और डेटा-आधारित शासन को दर्शाता है और आंकड़ों को इस तरह से प्रस्तुत करता है जो आम जनता के लिए समझना सरल है। मंत्रालय ने कहा कि एक भरोसेमंद और बुद्धिमान आकृति के रूप में डिजाइन किया गया, ₹सांख्यिकी₹ जटिल सांख्यिकीय अवधारणाओं को सरल और दृश्य तरीके से समझाने में मदद करता है।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की सार्वजनिक पहचान के रूप में, इस शुभंकर का उपयोग राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षणों, जागरूकता अभियानों, शैक्षिक सामग्री, डिजिटल प्लेटफार्मों और सार्वजनिक कार्यक्रमों में किया जाएगा। इसका परिचय एनएसओ सर्वेक्षणों में जनता की अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने और एक सुसंगत तथा पहचानने योग्य दृश्य उपस्थिति के माध्यम से आधिकारिक आंकड़ों में विश्वास को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

तंबाकू पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क, पान मसाला पर स्वास्थ्य उपकर एक फरवरी से होगा लागू

नई दिल्ली। तंबाकू उत्पादों पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क और पान मसाला पर स्वास्थ्य उपकर 01 फरवरी से लागू होंगे। तंबाकू और पान मसाला पर लगने वाले नए कर, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के अतिरिक्त होंगे। ये उस क्षतिपूर्ति उपकर की जगह लगा, जो वर्तमान में ऐसे "हानिकारक उत्पादों" पर लगाया जा रहा है। सरकार की अधिसूचना के मुताबिक, एक फरवरी, 2026 से पान मसाला, सिगरेट, तंबाकू और इसी तरह के उत्पादों पर 40 फीसदी की दर से जीएसटी लगेगा जबकि 'बीड़ी' पर 18 फीसदी जीएसटी लगेगा।

इसके अतिरिक्त, पान मसाला पर स्वास्थ्य एवं राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर लगाया जाएगा जबकि तंबाकू एवं संबंधित उत्पादों पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क लगेगा। वित्त मंत्रालय ने चबाने वाले तंबाकू, जर्दा सुगंधित तंबाकू व

गुटखा पैकिंग मशीन (क्षमता निर्धारण एवं शुल्क संग्रह) नियम, 2026 बुधवार देर रात को अधिसूचित किए। उल्लेखनीय है कि संसद ने उन दो विधेयकों को दिसंबर में मंजूरी दी थी, जो पान मसाला बनाने पर नए स्वास्थ्य एवं राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर और तंबाकू पर उत्पाद शुल्क लगाने की अनुमति देते हैं। केंद्र सरकार ने इन शुल्क के एक फरवरी से लागू होने की अधिसूचना जारी कर दी है। इस अधिसूचना के मुताबिक अलग-अलग दरों पर लगाया जाने वाला मौजूदा जीएसटी मुआवजा उपकर एक फरवरी से समाप्त हो जाएगा।

वर्ष 2026 की फीकी शुरुआत, आईटीसी में भारी बिकवाली से सेंसेक्स-निफ्टी स्थिर

मुंबई। दिग्गज कंपनी आईटीसी के शेयरों में भारी बिकवाली और विदेशी निवेशकों की निकासी के बीच वर्ष 2026 के पहले कारोबारी सत्र में बृहस्पतिवार को घरेलू शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक लगभग स्थिर बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 32 अंक यानी 0.04 प्रतिशत गिरकर 85,188.60 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 85,451.70 के उच्च स्तर और 85,101.52 के निचले स्तर तक गया।

वहीं, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 16.95 अंक यानी 0.06 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 26,146.55 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से एफएमसीजी (दैनिक उपयोग के उत्पाद) एवं सिगरेट बनाने वाली कंपनी आईटीसी के शेयरों में 9.69 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा बजाज

फाइनेंस, एशियन पेंट्स, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर भी नुकसान में रहे। दूसरी तरफ एनटीपीसी, इटर्नल, महिंद्रा एंड महिंद्रा, लार्सन एंड टूब्रो और पावर ग्रिड के शेयरों में तेजी रही। सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में तेज गिरावट देखी गई। असल में, एक फरवरी से तंबाकू उत्पादों पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क और पान मसाला पर स्वास्थ्य उपकर लगाने की अधिसूचना जारी किए जाने के बाद यह दबाव देखने को मिला। सिगरेट कंपनी गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया के शेयर में 17.09 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई। एशियाई और यूरोपीय शेयर बाजार नववर्ष पर अवकाश के कारण बंद रहे। अमेरिकी बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुए थे।

शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 3,597.38 करोड़ रुपये के शेयरों की बिकवाली की, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 6,759.64 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। बुधवार को सेंसेक्स 454.52 अंक उछलकर 85,220.60 अंक और निफ्टी 190.75 अंक चढ़कर 26,129.60 अंक पर बंद हुआ था। वर्ष 2025 के पूरे साल में सेंसेक्स 7,081.59 अंक यानी नौ प्रतिशत और निफ्टी 2,484.8 अंक यानी 10.50 प्रतिशत चढ़ा।

विमान ईंधन एटीएफ की कीमत में 7.3 फीसदी की भारी कटौती, नई दरें लागू

नई दिल्ली। नए साल के पहले दिन सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने विमान ईंधन की कीमत में 7.3 फीसदी की भारी कटौती है। विमानन टरबाइन ईंधन (एटीएफ) की नई दरें गुरुवार से लागू हो गई है।इस कटौती के बाद नई दिल्ली में एटीएफ की कीमत 7,353.75 रुपये प्रति किलोलीटर यानी 7.3 फीसदी की कटौती के साथ 92,323.02 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है।

हालांकि, मूल्य परिवर्तन के प्रभाव पर विमानन कंपनियों ने तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है। इसके अलावा मुंबई में एटीएफ की कीमत संशोधित होकर 86,352.19 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई, जबकि चेन्नई और कोलकाता में कीमतें क्रमशः 95,770 रुपये और 95,378.02 रुपये प्रति किलोलीटर पर पहुंच गई है। स्थानीय करों के कारण शहरों में ईंधन की

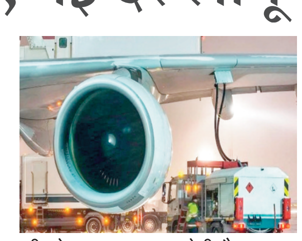

कीमतें अलग-अलग होती हैं। खुदरा विक्रेताओं ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने वैश्विक ईंधन मानकों के अनुरूप अपने मासिक मूल्य संशोधन को लागू किया है।

एटीएफ के दाम में तीन महीने लगातार बढ़ोतरी के बाद यह कटौती गई है। कीमतों में 1 दिसंबर को प्रति किलोलीटर 5,133.75 रुपये यानी 5.4 फीसदी की वृद्धि हुई थी। इससे पहले एक नवंबर को करीब एक फीसदी तथा एक अक्टूबर को 3.3 फीसदी की वृद्धि हुई थी।

बिजली खपत दिसंबर में सात प्रतिशत बढ़कर 138.39 अरब यूनिट पर

नई दिल्ली। उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड के कारण हीटर और गीजर जैसे उपकरणों के इस्तेमाल में बढ़ोतरी से दिसंबर में बिजली की खपत लगभग सात प्रतिशत बढ़कर 138.39 अरब यूनिट हो गई। एक साल पहले इसी अवधि में यह 129.39 अरब यूनिट थी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर के दौरान पूरी की गई अधिकतम बिजली मांग या अधिकतम आपूर्ति भी बढ़कर 241.20 गीगावाट हो गई, जबकि दिसंबर 2024 में यह 224.23 गीगावाट थी।

बिजली की अधिकतम मांग मई 2024 में अब तक के उच्चतम स्तर लगभग 250 गीगावाट तक पहुंच गई थी। इससे पहले सितंबर 2023 में अधिकतम मांग का पिछला रिकॉर्ड 243.27 गीगावाट दर्ज किया गया था। हालांकि, इस गर्मी (अप्रैल के बाद) में अधिकतम बिजली मांग जून में रिकॉर्ड 242.77 गीगावाट रही। सरकारी

अनुमान के अनुसार, 2025 की गर्मियों में अधिकतम बिजली मांग 277 गीगावाट तक रहने की संभावना थी। विशेषज्ञों ने कहा कि दिसंबर में ठंड बढ़ने के साथ हीटर, गीजर और ब्लोअर जैसे उपकरणों के उपयोग में वृद्धि हुई है।

इससे देश के विभिन्न हिस्सों, खासकर उत्तर भारत में बिजली की मांग और खपत दोनों बढ़ीं। उनका कहना है कि जनवरी में सर्दी और बढ़ने के साथ बिजली की खपत और मांग मजबूत बनी रह सकती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, तीन जनवरी से दिल्ली में शीत लहर की स्थिति बन सकती है, क्योंकि न्यूनतम तापमान पांच डिग्री सेल्सियस से नीचे गिर सकता है और हिमालयी क्षेत्र से ठंडी उत्तरी हवाओं के राजधानी की ओर बढ़ने की आशंका है। विभाग ने बताया कि बुधवार को दिल्ली में अधिकतम तापमान 14.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से लगभग 6.2 डिग्री कम और इस मौसम का सबसे निचला स्तर है, जबकि न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री सेल्सियस रहा, जो औसत से करीब 0.4 डिग्री कम है।

करीना कपूर खान

ने 2025 को बताया परिवार के लिए कठिन वर्ष, भावुक पोस्ट में कहा- हम बहुत रोए, पर डटे रहे

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान ने वर्ष 2025 को अपने और अपने परिवार के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण और भावनात्मक रूप से कठिन बताया है। नववर्ष के अवसर पर सोशल मीडिया पर साझा की गई एक पोस्ट में उन्होंने पति सैफ अली खान के साथ तस्वीर साझा करते हुए बीते वर्ष की पीड़ा, संघर्ष और उससे मिले सबक को शब्दों में पिरोया। करीना ने लिखा कि जब वे वर्ष के अंतिम दिन यह सोचती हैं कि परिवार ने कितनी दूर तक का सफर तय किया है, तो भावनाएं उमड़ पड़ती हैं। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि 2025 उनके, उनके बच्चों और पूरे परिवार के लिए एक मुश्किल साल रहा। अभिनेत्री के अनुसार इस दौरान उनके परिवार ने दर्द, डर और अनिश्चितता का सामना किया, लेकिन इसके बावजूद वे सिर ऊंचा रखकर आगे बढ़ते रहे। अपने संदेश में करीना कपूर खान ने लिखा कि इस वर्ष उनके परिवार ने बहुत आंसू बहाए, प्रार्थनाएं कीं और एक-दूसरे का सहारा बनकर खड़े रहे। उन्होंने कहा कि 2025 ने उन्हें सिखाया कि इंसान स्वभाव से निडर होता है, प्रेम हर कठिनाई पर विजय प्राप्त करता है और बच्चे जितना हम सोचते हैं, उससे कहीं अधिक साहसी होते हैं। करीना ने अपने प्रशंसकों, मित्रों और शुभचिंतकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हर कठिन समय में उनके साथ खड़े रहने वालों के समर्थन ने उन्हें मजबूती दी। उन्होंने ईश्वर के प्रति भी कृतज्ञता व्यक्त की और कहा कि अब उनका परिवार नए वर्ष में सकारात्मकता और कृतज्ञता के भाव के साथ प्रवेश कर रहा है। उन्होंने यह भी लिखा कि वर्ष 2026 के लिए उनका परिवार नई ऊर्जा, आत्मविश्वास और अपने काम के प्रति अटूट जुनून के साथ आगे बढ़ेगा। करीना ने संकेत दिया कि वे अभिनय और सिनेमा के प्रति अपने प्रेम के साथ आगे भी सक्रिय बनी रहेंगी। गौरतलब है कि वर्ष 2025 की शुरुआत में करीना कपूर खान के पति और अभिनेता सैफ अली खान पर उनके ही घर में चोरी के दौरान हमला हुआ था। इस घटना में सैफ अली खान को चाकू के कई गंभीर घाव लगे थे, जिनमें रीढ़ की हड्डी से जुड़ी चोट भी शामिल थी। उन्हें लगभग दस दिनों तक अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा था। इस हमले में उनके छोटे बेटे जेह और घर की देखभाल करने वाली महिला को भी चोटें आई थीं। घटना के कई महीनों बाद सैफ अली खान ने एक बातचीत कार्यक्रम में इस भयावह अनुभव को साझा करते हुए बताया था कि कैसे आधी रात को उनके घर में घुस आए हमलावर से उनकी भिड़ंत हुई और उन्होंने अपने परिवार की रक्षा के लिए संघर्ष किया। उन्होंने उस समय अपने बड़े बेटे तैमूर की घबराहट और भय का भी उल्लेख किया था। वर्तमान में करीना कपूर खान अपने पति सैफ अली खान और बच्चों तैमूर तथा जेह के साथ अवकाश पर हैं और नववर्ष का स्वागत परिवार के साथ कर रही हैं। अभिनेत्री लगातार अपने अवकाश की तस्वीरें साझा कर रही हैं, जिनमें परिवार के साथ सुकून और सकारात्मकता की झलक दिखाई दे रही है।

तेजा सज्जा ने 'जय हनुमान' छोड़ने की खबरों को बताया झूठा

मुंबई। अभिनेता तेजा सज्जा ने उन खबरों को सिरे से खारिज किया है, जिनमें दावा किया जा रहा था कि उन्होंने ऋषभ शेट्टी अभिनीत फिल्म 'जय हनुमान' छोड़ दी है। तेजा ने स्पष्ट किया है कि इस प्रोजेक्ट से उनके अलग होने की खबरें पूरी तरह "झूठी" हैं। हाल के दिनों में सोशल मीडिया और कुछ रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया था कि प्रशांत वर्मा की 2024 की सुपरहिट फिल्म 'हनुमान' से पहचान बनाने वाले तेजा सज्जा इसके सीक्वल 'जय हनुमान' का हिस्सा नहीं रहे। इन अटकलों में यह भी कहा गया कि उन्होंने कम स्क्रीन टाइम और रचनात्मक मतभेदों के चलते प्रोजेक्ट से दूरी बना ली है और प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स (पीवीसीयू) से खुद को अलग कर लिया है। हालांकि, एक दैनिक अखबार से बातचीत में तेजा सज्जा ने इन सभी दावों का खंडन करते हुए कहा कि 'जय हनुमान' से उनके बाहर होने की खबरें पूरी तरह गलत हैं। उन्होंने यह भी साफ किया कि वह पीवीसीयू से अलग नहीं हो रहे हैं। उल्लेखनीय है कि 'जय हनुमान', फिल्म 'हनुमान' का सीक्वल है, जिसमें ऋषभ शेट्टी भगवान हनुमान की भूमिका निभाते नजर आएंगे। अप्रैल 2024 में दिए गए एक साक्षात्कार में तेजा सज्जा ने कहा था कि यह फिल्म पूरी तरह भगवान हनुमान के चरित्र पर आधारित होगी, लेकिन वह भी इसका हिस्सा होंगे। दिसंबर 2024 में उन्होंने दोहराया था कि वह फिल्म की शूटिंग शुरू होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। 'हनुमान' के अंत में भगवान हनुमान के हिमालय से प्रकट होने वाले दृश्य ने सीक्वल की भूमिका तैयार की थी। अक्टूबर 2024 में ऋषभ शेट्टी को 'जय हनुमान' में मुख्य भूमिका के लिए आधिकारिक रूप से घोषित किया गया था। फिलहाल फिल्म की शूटिंग शुरू नहीं हुई है। यह फिल्म पीवीसीयू का हिस्सा है, जिसमें महाकाली और अधीरा जैसी आगामी परियोजनाएं भी शामिल हैं।

केबीसी के फिनाले में अमिताभ बच्चन 32 मिनट तक लगातार गाते हुए नजर आएंगे

मुंबई। सोनी टीवी पर प्रसारित होने वाले क्विज रियलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) में महानायक और शो के होस्ट अमिताभ बच्चन 32 मिनट तक लगातार गाते हुए नजर आएंगे। 'कौन बनेगा करोड़पति' का 17वां सीजन, फिनाले के करीब पहुंच गया है। इस सीजन के आखिरी एपिसोड में अमिताभ बच्चन फैंस को अपने स्पेशल सरप्राइज से हैरान करने वाले हैं। अमिताभ अंतिम एपिसोड में 32 मिनट तक नॉन स्टॉप गाने गाते नजर आएंगे। अमिताभ, केबीसी 17 शो का समापन करते हुए कई सुपरहिट और यादगार गाने गाते दिखेंगे। इनमें जैसे 'होरी खेले रघुवीरा, 'रंग बरसे भीगे चुनरवाली', 'मेरे अंगने में' और कुछ खास पारंपरिक गीत भी शामिल है। आने वाले एपिसोड्स में अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा भी नजर आएंगे। वह अपनी आने वाली फिल्म 'इक्कीस' का प्रमोशन करने आएंगे। उनके साथ फिल्म की पूरी टीम होगी, साथ ही उनकी मां श्वेता बच्चन और बहन नव्या नवेली नंदा भी दर्शकों में मौजूद रहेंगी।

नये साल की पार्टी के दौरान स्विटजरलैंड की बार में धमाका

10 लोगों की मौत, कई घायल

वालिस कैंटन। नए साल के मौके पर स्विटजरलैंड से एक दुखद घटना सामने आई है। स्विस पुलिस की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, क्रैन्स मोंटाना के महंगे अल्पाइन स्की रिसॉर्ट शहर के एक बार में धमाका हुआ। इस धमाके में कई लोग मारे गए और कुछ घायल हो गए।

दक्षिण-पश्चिमी स्विट्जरलैंड के वालिस कैंटन में पुलिस प्रवक्ता गेटन लैथियन ने बताया कि एक धमाका हुआ है जिसका कारण पता नहीं है। कई लोग इसमें मारे गए और कई घायल हो गए। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि धमाका स्थानीय समयानुसार रात करीब 1:30 बजे ले कॉन्स्टेलेशन नाम के एक बार में हुआ। यह बार पर्यटकों के बीच काफी मशहूर है। हादसे के वक्त लोग यहां पर नए साल का जश्न मनाने के लिए जुटे हुए थे। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि माना जा रहा है कि मरने वालों में ज्यादातर पर्यटक हैं, जो छुट्टियों के सीजन में क्रैन्स-मोंटाना आए थे। धमाके के समय बार में सौ से ज्यादा लोग थे। हम अभी अपनी जांच की शुरुआत में हैं। यह एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मशहूर स्की रिसॉर्ट है जहां बहुत सारे पर्यटक आते हैं।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स का दावा है कि आग में कम से कम 40 लोग मारे गए। स्थानीय मीडिया आउटलेट ब्लिक ने बताया कि अधिकारियों ने बचाव और जांच की कोशिशों के चलते क्रांस-मोंटाना के ऊपर नो-फ्लाई जोन भी लगा दिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि धमाके के समय बार के अंदर 100 से ज्यादा लोग थे। स्विस ब्रॉडकास्टर आरटीएस ने बताया कि धमाका बार के बेसमेंट में हुआ, जिसकी कुल क्षमता लगभग 400 लोगों की है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बड़े पैमाने पर शेयर किए गए वीडियो में घटना के तुरंत बाद बार से धुएं का घना गुबार उठता हुआ दिख रहा है, जो धमाके और उसके बाद लगी आग के पैमाने को दिखाता है।

अमेरिकी मीडिया के अनुसार, पुलिस ने मरने वालों और घायलों की सही संख्या नहीं बताई, और न ही आग लगने के कारण के बारे में और जानकारी दी। यह इलाका हाई-एंड हॉलिडे रिसॉर्ट्स के लिए जाना जाता है। पुलिस और क्षेत्रीय लोक अभियोजक के साथ अमेरिकी समयानुसार सुबह करीब 10 बजे (ईटी टाइम जोन के हिसाब से सुबह 4 बजे) एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाएगी। पीसी में घटना से संबंधित अधिक जानकारी सामने आएगी।

अमेरिकी मीडिया ने बताया कि स्विट्जरलैंड की सबसे खास जगहों में से एक, क्रैन्स-मोंटाना अपनी साल भर रहने वाली धूप के लिए मशहूर है। इसकी खास वजह यह है कि क्रैन्स-मोंटाना रोन वैली में दक्षिण की ओर वाले पठार पर स्थित है। यह इलाका समुद्र तल से 1,500 मीटर ऊपर, मैटरहॉर्न से लेकर यूरोप की सबसे ऊंची चोटियों में से एक मोंट ब्लांक तक फैला है। लगभग 15,000 की छोटी आबादी का एक समुदाय यहां रहता है, और यह सेलिब्रिटीज के स्काई डाइविंग, गोल्फ खेलने और खाने-पीने के लिए पसंदीदा और शांत जगहों में से एक माना जाता है।

अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए का दावा

यूक्रेन ने पुतिन को निशाना नहीं बनाया CIA को नहीं मिले कोई सबूत

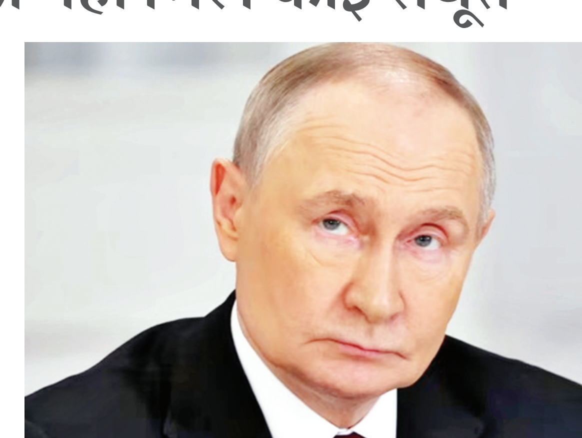

वाशिंगटन। अमेरिका की खुफिया संस्था सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी (सीआईए) ने रूस के उस दावे को गलत बताया है जिसमें कहा गया था कि यूक्रेन ने रूसी राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन के आवास को निशाना बना कर घातक ड्रोन हमला किया था।

अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि सीआईए ने क्रेमलिन के दावे के बाद सच पता लगाने के लिए यूक्रेन ड्रोन हमले का आकलन किया है। इसमें पता लगा है कि यूक्रेन ने अपने देश के उत्तर में हाल ही में हुए ड्रोन हमले में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के इस्तेमाल किए जाने वाले आवास को निशाना नहीं बनाया था। सीआईए का यह निष्कर्ष सोमवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ फोन कॉल के दौरान रूसी नेता के आरोप को गलत साबित करती है।

सीएनएन की एक रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने बताया कि सीआईए डायरेक्टर जॉन रैटक्लिफ ने बुधवार को राष्ट्रपति ट्रंप को इस आकलन के बारे में जानकारी दी। उल्लेखनीय है, रूस ने सार्वजनिक रूप से आरोप लगाया था कि यूक्रेन ने सोमवार को पुतिन के घर पर हमला करने की कोशिश की। इसके बाद ट्रंप ने पत्रकारों से कहा था कि वह यूक्रेन की इस कार्रवाई से परेशान हैं। हालांकि यूक्रेन ने उसकी ओर से ऐसे हमले की बात से इनकार किया था। सूत्रों ने बताया कि रैटक्लिफ ने ट्रंप को बताया कि सीआईए को रूसी दावे के सच होने पर यकीन नहीं था।

ट्रंप ने बुधवार को ट्रुथ सोशल पर न्यूयॉर्क पोस्ट के एक संपादकीय का लिंक पोस्ट किया, जिसका शीर्षक था, पुतिन का उनके आवास पर 'हमले' का दिखावा यह प्रदर्शित करता है और दरअसल रूस ही शांति के रास्ते में रुकावट बन रहा है।

उधर रूसी राष्ट्रपति के मुख्यालय क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा है कि वह उक्त हमले का फिलहाल कोई सबूत तो नहीं दे सकते हैं। मीडिया को क्रेमलिन की बात पर यकीन करना चाहिए। सीआईए ने पेस्कोव के बयान पर प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया है।

बांग्लादेश में धारदार हथियारों से 24 साल के युवक पर हमला, मौत

ढाका। बांग्लादेश में अपराध के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। आए दिन हिंसा की घटनाओं ने देश में अशांति का माहौल बना दिया है। बांग्लादेशी मीडिया की ओर से साझा जानकारी के अनुसार ताजा मामला ढाका के हजारीबाग पुलिस स्टेशन के तहत आने वाले झौचर इलाके से आया है, जहां गुरुवार सुबह नए साल पर बदमाशों ने एक युवक की हत्या कर दी।

यूएनबी की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, 2026 की शुरुआत के पहले दिन ही बदमाशों ने युवक को मौत के घाट उतार दिया। पीड़ित की पहचान हजारीबाग पुलिस स्टेशन के तहत आने वाले लोकल बोरो मस्जिद इलाके के रहने वाले एमडी शाह आलम (24) के रूप में हुई। पुलिस स्टेशन के सब इंस्पेक्टर सुमन चंद्र ने जानकारी दी है कि शाह आलम पर हमलावरों के एक समूह ने धारदार हथियारों से हमला कर दिया, इस घटना में वह बुरी तरह से घायल हो गया। सूचना मिलने पर वे मौके पर पहुंचे और युवक को झौचर इलाके में सियाम स्कूल के पास एक गली में खून से लथपथ पाया। घायल युवक को ढाका मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल ले जाया गया। हालांकि डॉक्टरों ने सुबह करीब 3:30 बजे उसे मृत घोषित कर दिया।

जोहरान ममदानी ने न्यूयॉर्क शहर के 112वें मेयर के रूप में शपथ ली

न्यूयॉर्क। नए साल की शुरुआत के कुछ ही क्षणों बाद यहां एक पुराने सबवे स्टेशन में आयोजित एक निजी समारोह में जोहरान ममदानी ने औपचारिक रूप से न्यूयॉर्क शहर के 112वें मेयर के रूप में शपथ ली। क्वीन्स राज्य के जनप्रतिनिधि रहे भारतवंशी 34 वर्षीय जोहरान ममदानी अब अमेरिका के सबसे बड़े शहर के मेयर बनने वाले दक्षिण एशियाई मूल के और मुस्लिम समुदाय से पहले व्यक्ति बन गए हैं।

ममदानी ने पुराने सिटी हॉल सबवे स्टेशन में एक निजी समारोह में शपथ ली, जिसमें केवल उनके परिवार और करीबी सलाहकार उपस्थित थे। यह समारोह नए साल के स्वागत के समय मध्यरात्रि के आसपास आयोजित किया गया। उन्हें न्यूयॉर्क के 112वें मेयर और दूसरे सबसे युवा मेयर के रूप में कुरान पर हाथ रखकर शपथ दिलाई गई। राज्य की अटॉर्नी जनरल लेटिशिया जेम्स ने उन्हें शपथ दिलाई। यह समारोह सिटी हॉल पार्क के नीचे एक भव्य, परित्यक्त पुराने सबवे स्टेशन में आयोजित हुआ, जिसमें उनकी पत्नी एवं कलाकार रमा दुवाजी उनके साथ मौजूद थीं।

इसके कुछ घंटे बाद बृहस्पतिवार दोपहर को सिटी हॉल के बाहर, न्यूयॉर्क सिटी सरकार के मुख्यालय में ममदानी का औपचारिक शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा, जहां वर्मोंट के सीनेटर बर्नी सैंडर्स नए मेयर को शपथ दिलाएंगे। भारतीय मूल के ममदानी प्रसिद्ध फिल्मकार मीरा नायर और कोलंबिया विश्वविद्यालय के प्रोफेसर महमूद ममदानी के पुत्र हैं। उनका जन्म और

पालन-पोषण युगांडा की राजधानी कंपाला में हुआ और वह सात साल की उम्र में अपने परिवार के साथ न्यूयॉर्क शहर आ गए।

ममदानी 2018 में अमेरिकी नागरिक बने। ममदानी ने पहले कहा था कि उनका शपथ ग्रहण 'न्यूयॉर्क के लिए एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक है, जिसमें कामकाजी न्यूयॉर्कवासियों को केंद्र में रखा जाएगा।' अपने ऐतिहासिक शपथ ग्रहण स्थल के रूप में पुराने सबवे स्टेशन को चुनने पर 'न्यूयॉर्क टाइम्स' ने ममदानी के हवाले से लिखा कि जब 'ओल्ड सिटी हॉल स्टेशन' पहली बार 1904 में खुला था तब यह न्यूयॉर्क के 28 मूल सबवे स्टेशनों में से एक था। उस वक्त यह "एक ऐसे शहर का भौतिक प्रतीक था, जिसने खूबसूरती के साथ साथ ऐसी महान परियोजनाएं खड़ी कीं, जिन्होंने कामकाजी लोगों के जीवन को बदल दिया।

उन्होंने कहा कि यह महत्वाकांक्षा केवल हमारे अतीत की यादों तक नहीं सिमटना चाहिए, न ही यह केवल सिटी हॉल के नीचे की सुरंगों तक सीमित रहना चाहिए। यही उद्देश्य उनके प्रशासन का होगा, जिसे सबवे के ऊपर स्थित इमारत से न्यूयॉर्कवासियों की सेवा करने का सौभाग्य मिलेगा। इस बीच, न्यूयॉर्क पब्लिक लाइब्रेरी ने बुधवार को घोषणा की कि ममदानी नए साल की पूर्व संध्या पर मध्यरात्रि को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह में शपथ लेने के लिए 'शॉम्बर्ग सेंटर फॉर रिसर्च इन ब्लैक कल्चर' के संग्रह से एक कुरान का उपयोग करेंगे। न्यूयॉर्क पब्लिक लाइब्रेरी के अध्यक्ष और सीईओ एंथनी डब्ल्यू. मार्क्स ने कहा, "यह हमारे शहर के इतिहास का एक महत्वपूर्ण क्षण है और हमें इस बात का गहरा सम्मान है कि नवनिर्वाचित मेयर ममदानी ने शपथ ग्रहण के लिए लाइब्रेरी की कुरानों में से एक को चुना है।

उन्होंने कहा कि यह विशेष कुरान, जिसे आर्तुरो शॉम्बर्ग ने सभी न्यूयॉर्कवासियों के ज्ञान और आत्मिक संतोष के लिए संरक्षित किया था। यह समावेशन, प्रतिनिधित्व और नागरिक चेतना की एक व्यापक कहानी का प्रतीक है।" न्यूयॉर्क पब्लिक लाइब्रेरी (एनवाईपीएल) ने आगामी प्रशासन द्वारा कुरान के चयन को अत्यंत प्रतीकात्मक बताया। ममदानी ने नवंबर में हुए चुनाव में निर्णायक और ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी।